Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 282
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शनिवार, 18 अक्टूबर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 देवेंद्र फडणवीस का दावाः बिहार में एनडीए के ... 4 आखिर कौन बनेगा बिहार का अगला ... 7 कैंसर को हराकर मैदान में लौटा ...

संक्षिप्त न्यूज

'आपको राष्ट्रपति संदर्भ पर हमारी सलाह का इंतजार करना होगा', तमिलनाडु सरकार से बोला शीर्ष कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को तमिलनाडु सरकार से कहा कि वह 'राष्ट्रपति संदर्भ' पर सलाह का इंतजार करे, उसके बाद ही अपनी उस याचिका पर आगे बढ़े, जिसमें राज्यपाल आर. एन. रवि के कदम को चुनौती दी गई है। राज्यपाल ने तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा एवं खेल विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी देने की बजाय राष्ट्रपति के पास भेज दिया था।

चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि इस मामले की सुनवाई संविधान पीठ के फैसले के बाद होगी। बेंच ने कहा, आपको 'राष्ट्रपति संदर्भ' के नतीजे का इंतजार करना होगा। मुश्किल से चार हफ्ते ही लगेंगे। यह फैसला 21 नवंबर से पहले आ जाएगा (क्योंकि तक तकजस्टिस गवई सेवानिवृत्त हो जाएंगे)।

शीर्ष कोर्ट ने 11 सितंबर को उस राष्ट्रपति संदर्भ पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसमें यह सवाल उठाया गया था कि क्या सांविधानिक अदालतें राज्यपालों और राष्ट्रपति को किसी विधेयक पर हस्ताक्षर करने के लिए समयसीमा तय कर सकती हैं।

सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि राज्यपाल किसी विधेयक को राष्ट्रपति के पास नहीं भेज सकते, जब उन्हें मंत्रिपरिषद की 'सलाह और अनुशंसा' मिल चुकी हो। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि वर्ष 2015 से 2025 तक देशभर के राज्यपालों की ओर से कुल 381 संदर्भ राष्ट्रपति के पास भेजे गए हैं। उन्होंने कहा, अगर ऐसे मामलों को न्यायिक समीक्षा के दायरे में लाया गया, तो माननीय न्यायालय को इन मुद्दों के लिए दो स्थायी पीठें बनानी पड़ेंगी।

मोदी के 11 साल बिहार के लिए 'वरदान': शाह ने नीतीश नेतृत्व में जीत का फूंका बिगुल

पटना। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सारण ज़िले में भाजपा का चुनावी बिगुल फूंका। उन्होंने तरैया के निवर्तमान विधायक जनक सिंह और अमनौर विधानसभा क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार कृष्ण कुमार मंटू के लिए प्रचार किया। तरैया में रैली को संबोधित करते हुए, अमित शाह ने बिहार के युवाओं को पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के जंगल राज की याद दिलाई और बताया कि कैसे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले 20 सालों में इससे मुक्ति पाई है।

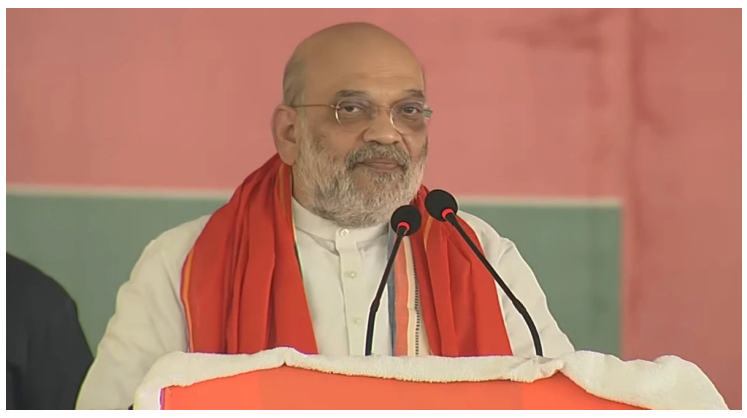

शाह ने कहा कि जब आप सारण से प्रचार शुरू करते हैं, तो हमें सिर्फ़ जीत ही दिखाई देती है। बिहार के युवाओं को लालू-राबड़ी के उस जंगल राज की याद दिलाने और उसके खिलाफ़ लड़ने का संकल्प दिलाने के लिए छपरा, सारण से बेहतर कोई जगह नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार को जंगल राज से मुक्त कराया है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 सालों में बिहार के विकास के लिए काम किया है। प्रधानमंत्री मोदी के 11 साल गरीबों के लिए वरदान साबित हुए हैं।

अमित शाह ने यह भी दोहराया कि एनडीए बिहार चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने आगे कहा कि बिहार के लोगों को इस साल चार दिवाली मनाने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। इस बार बिहार के लोगों को चार दिवाली मनाने का मौका मिला है। पहली दिवाली भगवान राम के अयोध्या लौटने के अवसर पर है। दूसरी दिवाली अभी-अभी समाप्त हुई है। नीतीश जी और मोदी जी ने बिहार की महिलाओं को 10,000 रुपये दिए हैं। तीसरी दिवाली 395 उत्पादों पर जीएसटी को घटाकर 5 प्रतिशत और 0 प्रतिशत कर दिया है। चौथी दिवाली तब मनाई जाएगी जब एनडीए सबसे बड़े बहुमत के साथ आएगा और लालू, राहुल और उनकी कंपनी का सफाया कर देगा।'

ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बोलते हुए, अमित शाह ने कहा, 'लालू प्रसाद और कांग्रेस के शासनकाल में आतंकवादी 'खून की होली' खेलते थे। मोदी जी ने ऑपरेशन सिंदूर के ज़रिए आतंकवादियों को उनके घर में घुसकर मार गिराया।' बिहार चुनाव 2025 के लिए मतदान 6 और 11 नवंबर को होगा। नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएंगे। एनडीए ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपनी सीट-बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया है, जिसमें भाजपा और जनता दल (यूनाइटेड) 101-101 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ेंगे।

नए मंत्रिपरिषद का शपथ ग्रहण, हर्ष सांघवी राज्य के नए डिप्टी सीएम; रिवाबा जडेजा को भी मंत्रीपद

गांधीनगर। गुजरात में नए मंत्रिपरिषद का आज शपथ ग्रहण समारोह हुआ। हर्ष सांघवी को राज्य का नया डिप्टी सीएम बनाया गया है। हर्ष सांघवी तीन बार के विधायक हैं और फिलहाल मजुरा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने 25 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई, जिसके बाद सीएम भूपेंद्र पटेल को मिलाकर मंत्रीपरिषद में 26 मंत्री हो गए हैं। पिछले साल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए विधायक अर्जुन मोढवाडिया को भी मंत्री बनाया गया है।

विसनगर विधायक रुशीकेश पटेल, प्रफुल पनशेरिया, कुंवरजी बावलिया को फिर से मंत्रीपरिषद में शामिल किया गया है। कनुभाई देसाई, पुरषोत्तम सोलंकी, नरेश पटेल, अहमदाबाद की पूर्व डिप्टी मेयर दर्शना वाघेला, गुजरात भाजपा एससी मोर्चा के पूर्व प्रमुख प्रद्युमन वाजा, मोरबी विधायक कांतिलाल अमरुतिया और वडोदरा विधायक मनीषा वाकिल को भी मंत्रिपरिषद में जगह मिली है। गुरुवार को गुजरात सीएम भूपेंद्र पटेल को छोड़कर मंत्रिपरिषद के अन्य सभी मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया था। गुजरात भाजपा के पूर्व अध्यक्ष और भावनगर से विधायक जीतू वाघाणी, अमरेली से विधायक और भाजपा के डिप्टी चीफ व्हिप कौशिक वेकरिया, स्वरूपजी ठाकोर, टीकाराम छंगा, जयराम गमित, जामनगर उत्तर विधायक रिवाबा जडेजा, पीसी बारांदा, दाहोद विधायक रमेश कटारा, अंकलेशअवर विधायक इश्वरसिहं पटेल, दीसा विधायक प्रवीण माली, बारसोड विधायक रमनभाई सोलंकी, पेटलाद विधायक कमलेश पटेल, महुधा विधायक संजय सिंह महिदा को भी मंत्रिपरिषद में जगह मिली है।

गुजरात सरकार के मंत्रिपरिषद में यह फेरबदल भाजपा के मिशन 2027 के लिहाज से अहम माना जा रहा है। पार्टी आगामी निकाय चुनाव में नए सामाजिक समीकरणों को परखने की तैयारी कर रही है।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में दीपोत्सव की मांग से गरमाई बहस, क्या कैंपस में मनेगी भव्य दीपावली?

लखनऊ **(एजेंसी)**। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के एक हिंदू छात्र अखिल कौशल ने कुलपति को पत्र लिखकर परिसर में दीपोत्सव, आतिशबाजी और मिठाइयों के साथ दिवाली मनाने की अनुमति मांगी है। हालांकि प्रशासन ने समारोहों पर रोक नहीं लगाई है, लेकिन 17 अक्टूबर को एक बड़े कार्यक्रम के बाद सफाई की ज़रूरतों के कारण कार्यक्रम में देरी हो सकती है। छात्र अखिल कौशल ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मैंने एएमयू के कुलपति को पत्र लिखकर दिवाली मनाने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति देने का अनुरोध किया है। इस कार्यक्रम में दीपोत्सव, आतिशबाजी और मिठाइयाँ बाँटी जाएँगी।

अखिल कौशल ने कहा कि हमें अनुमति की ज़रूरत थी क्योंकि हम इस विश्वविद्यालय के वास्तविक छात्र हैं और किसी भी बड़े कार्यक्रम के आयोजन के लिए हमें विश्वविद्यालय की मंजूरी की ज़रूरत होती है। इसलिए हमने यह फ़ैसला लिया। अभी तक, हमें कुलपति से कोई जवाब नहीं मिला है। अखिल ने आगे कहा, 'हालांकि, होली समारोह के दौरान हमें अनुमति न देकर एएमयू प्रशासन पहले ही एक गलती कर चुका है। इसलिए मुझे लगता है कि अगर वे समझदार हैं, तो वे ऐसी गलती दोबारा नहीं दोहराएँगे। अगर हमें फिर भी अनुमति नहीं मिलती है, तो विश्वविद्यालय के हिंदू छात्र एएमयू के बाब-ए-सैयद गेट पर धूमधाम से दिवाली मनाएँगे।'

छात्रों के अनुरोध पर प्रतिक्रिया देते हुए, एएमयू प्रॉक्टर प्रोफेसर वसीम अली ने स्पष्ट किया कि परिसर में दिवाली मनाने पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

उच्चतम न्यायालय ने देश में 'डिजिटल अरेस्ट' की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई, केंद्र का जवाब मांगा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने हरियाणा के अंबाला में अदालत और जांच एजेंसियों के फर्जी आदेशों के आधार पर एक बुजुर्ग दंपति को 'डिजिटल अरेस्ट' कर उनसे 1.05 करोड़ रुपये की उगाही की घटना को शुक्रवार को गंभीरता से लिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने देश भर में डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई और 73 वर्षीय महिला द्वारा भारत के प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई को लिखे पत्र पर स्वतः संज्ञान लेते हुए दर्ज किए गए मामले में केंद्र और सीबीआई से जवाब मांगा। पीठ ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों सहित निर्दोष लोगों को डिजिटल अरेस्ट करने के लिए उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय के आदेशों और न्यायाधीशों के हस्ताक्षरों की जालसाजी करना न्यायिक संस्थाओं में लोगों के विश्वास और आस्था पर कुठाराघात है।

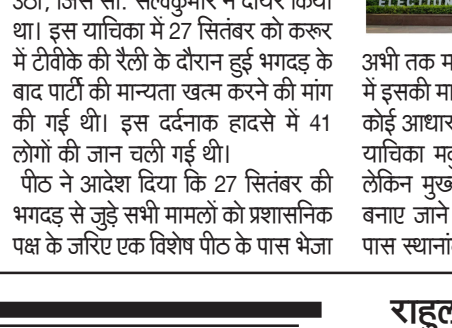

'डिजिटल अरेस्ट' ऑनलाइन धोखाधड़ी है, जिसमें जालसाज खुद को फर्जी तरीके से किसी सरकारी एजेंसी या पुलिस का अधिकारी बताकर लोगों पर कानून तोड़ने का आरोप लगाते हुए उन्हें धमकाते हैं और गलत तरह से धन वसूली की कोशिश करते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा, ''न्यायाधीशों के जाली हस्ताक्षरों वाले न्यायिक आदेश तैयार करना, कानून के शासन के अलावा न्यायिक व्यवस्था में जनता के विश्वास की नींव पर कुठाराघात करता है। इस तरह की कार्रवाई संस्था की गरिमा पर सीधा हमला है।''

पीठ ने कहा कि इस तरह के गंभीर आपराधिक कृत्य को धोखाधड़ी या साइबर अपराध के सामान्य या एकल अपराध के रूप में नहीं माना जा सकता। पीठ ने कहा, ''हम इस तथ्य का न्यायिक संज्ञान लेने के लिए भी इच्छुक हैं कि यह मामला एकमात्र मामला नहीं है। मीडिया में कई बार ये खबरें आई हैं कि देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे अपराध हुए हैं। इसलिए, हमारा मानना ??है कि न्यायिक दस्तावेजों की जालसाजी, निर्दोष लोगों, खासकर वरिष्ठ नागरिकों से जबरन वसूली/लूट से जुड़े आपराधिक उपक्रम का पूरी तरह से पर्दाफाश करने के लिए केंद्र और राज्य पुलिस के बीच समन्वित प्रयासों और कार्रवाई की आवश्यकता है।''

पीठ ने अटॉर्नी जनरल से सहायता मांगी और हरियाणा सरकार तथा अंबाला साइबर अपराध विभाग को बुजुर्ग दंपति के मामले में अब तक की गई जांच पर एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

तेजस्वी ही होंगे महागठबंधन के सीएम फेस, कांग्रेस ने लगाई मुहर; सीट बंटवारे पर फंसा पेंच

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के नज़दीक आते ही, कांग्रेस सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह ने आधिकारिक तौर पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव को महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया है। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए, सिंह ने ज़ोर देकर कहा कि सीटों के बंटवारे पर बातचीत जारी है, लेकिन गठबंधन भाजपा-जद(यू) गठबंधन के खिलाफ एकजुट मोर्चा बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सिंह ने कहा, 'तेजस्वी यादव महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा हैं। सीटों का बंटवारा हो रहा है और जल्द ही इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा।' अखिलेश सिंह के साथ, कटिहार से कांग्रेस सांसद तारिक अनवर ने भी तेजस्वी यादव को विपक्षी गठबंधन का मुख्यमंत्री उम्मीदवार घोषित करने का समर्थन किया। अनवर ने कहा, 'मुझे लगता है कि ऐसा करने में कोई बुराई नहीं है,' और उन्होंने महागठबंधन और एनडीए दोनों से अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवारों को तुरंत स्पष्ट करने का आग्रह किया। विपक्ष ने तेजस्वी यादव पर सहमति जताई है, वहीं एनडीए ने दोहराया है कि बिहार चुनाव में मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश

कुमार ही उसका चेहरा बने रहेंगे।

मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार की पुष्टि के बावजूद, गठबंधन को सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस ने गुरुवार देर रात 48 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की, लेकिन सहयोगियों के बीच मतभेद बने हुए हैं। अनवर ने विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) प्रमुख मुकेश सहनी की नाराजगी को स्वीकार किया, जो कथित तौर पर प्रस्तावित सीट बंटवारे के फॉर्मूले से नाराज़ थे। अनवर ने कहा, 'वह नाराज़ हैं। मुझे लगता है कि हमसे भी गलती हुई। हमारे पास पर्याप्त समय था, और चीज़ें पहले ही तय हो जानी चाहिए थीं।'

इस बीच, सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने बिहार चुनाव के लिए सीट बंटवारे का फॉर्मूला तय कर लिया है। भाजपा और जनता दल (यूनाइटेड) 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। एनडीए के अन्य सहयोगियों को भी सीटें आवंटित की गई हैं: केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) 6-6 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी।

'खुद हिजाब पहनती है टीचर, छात्रा को मना किया...', सामान्य शिक्षा मंत्री शिवनकुट्टी बोले

तिरुवनंतपुरम। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने शुक्रवार को कहा कि यह आश्चर्यजनक और विडंबनापूर्ण है कि एक शिक्षिका जो खुद सिर पर हिजाब पहनती हैं, उन्होंने एक छात्रा को ऐसा करने से रोक दिया। शिवनकुट्टी ने हिजाब पहनने पर कोच्चि के एक चर्च संचालित विद्यालय में छात्रा को प्रवेश न देने को लेकर यह बात कही।

मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी निजी विद्यालय केरल शिक्षा नियम के तहत संचालित होते हैं और कोई भी संस्था इन नियमों के ऊपर नहीं है। शिवनकुट्टी ने कोच्चि के पल्लुरुथी इलाके में स्थित सेंट रीटा पब्लिक स्कूल में हाल में हुए हिजाब विवाद के संदर्भ में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, 'यह हैरान करने वाली बात है कि जो शिक्षिका खुद हिजाब पहनती हैं, वह एक छात्रा को ऐसा करने की अनुमति नहीं दे रही हैं। यह विडंबना है।'

हाईकोर्ट से बोला चुनाव आयोग

'अभिनेता विजय की टीवीके एक मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टी नहीं है'

चेन्नई। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को मद्रास हाई कोर्ट को बताया कि अभिनेता विजय की राजनीतिक पार्टी तमिलागा वेट्री कजगम (टीवीके) एक 'मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल' नहीं है। यह जानकारी मुख्य न्यायाधीश एम.एम. श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति जी. अरुल मुरुगन की पीठ के सामने पेश की गई। यह मामला एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान उठा, जिसे सी. सेल्वकुमार ने दायर किया था। इस याचिका में 27 सितंबर को करूर में टीवीके की रैली के दौरान हुई भगदड़ के बाद पार्टी की मान्यता खत्म करने की मांग की गई थी। इस दर्दनाक हादसे में 41 लोगों की जान चली गई थी।

पीठ ने आदेश दिया कि 27 सितंबर की भगदड़ से जुड़े सभी मामलों को प्रशासनिक पक्ष के जरिए एक विशेष पीठ के पास भेजा जाए। यह व्यवस्था उन मामलों को छोड़कर होगी जो सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। मामले में चुनाव आयोग के वकील निरंजन राजगोपाल ने अदालत को बताया कि टीवीके

अभी तक मान्यता प्राप्त पार्टी नहीं है। ऐसे में इसकी मान्यता रद्द करने की याचना का कोई आधार नहीं बनता। मूल रूप से यह याचिका मदुरै बेंच में दायर की गई थी, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त को पक्षकार बनाए जाने के कारण इसे मुख्य पीठ के पास स्थानांतरित कर दिया गया। विजय के खिलाफ एफआईआर में बदलाव की मांग पर अदालत ने कहा कि इस पर सुप्रीम कोर्ट की तरफ से सीबीआई जांच से जुड़े आदेश के तहत ही फैसला होगा। यानी इस हिस्से पर हाईकोर्ट कोई अलग आदेश नहीं देगा। सेल्वकुमार ने याचिका में कुछ अहम मांगें रखीं। जिसमें चुनाव आयोग राज्य भर में राजनीतिक रैलियों और चुनाव अभियानों में महिलाओं और बच्चों के इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक लगाए और अपने 5 फरवरी 2024 के दिशा-निर्देशों को सख्ती से लागू करे। सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से अनिवार्य रूप से लिखित आश्वासन लिया जाए कि वे इन नियमों का पालन करेंगे, और उल्लंघन की स्थिति में उनकी मान्यता रद्द की जाए। टीवीके की नेतृत्व टीम पर जिम्मेदारी तय की जाए।

सरकारी स्थलों के उपयोग संबंधी मंत्रिमंडल का फैसला ''केवल आरएसएस के लिए नहीं'': सिद्धरमैया

बैंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने शुक्रवार को कहा कि मंत्रिमंडल द्वारा सार्वजनिक स्थानों और सरकारी परिसरों में कार्यक्रमों के आयोजन के लिए नियम बनाने का फैसला 'सिर्फ आरएसएस के लिए नहीं है।

मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी उनके नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों, जिनमें सड़कों पर मार्च करना और सार्वजनिक स्थानों व सरकारी परिसरों में कार्यक्रम आयोजित करना शामिल है, पर लगाम लगाने के लिए नियम बनाने के फैसले के एक दिन बाद आई है। कैबिनेट के इस फैसले, जिसे व्यापक रूप से आरएसएस के कार्यक्रमों के खिलाफ बताया जा रहा है, पर स्पष्टीकरण देते हुए सिद्धरमैया ने कहा, ''यह सिर्फ आरएसएस के लिए नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''सरकार की अनुमति के बिना किसी भी संगठन को गतिविधियां चलाने की अनुमति नहीं है। यह नियम दरअसल भाजपा द्वारा लाया गया था जब मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर थे।'' साल 2013 में, शेट्टर के नेतृत्व वाली सरकार ने एक परिपत्र जारी किया था, जिसमें स्कूल परिसरों और उससे जुड़े खेल के मैदानों का इस्तेमाल केवल शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए करने का आदेश जारी किया गया था।

राजनाथ सिंह का बड़ा बयानः

अब भारत से कोई दादागिरी नहीं कर सकता, दुनिया सुनती है हमारी बात

नई दिल्ली।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज अपने संसदीय क्षेत्र लखनऊ में है। राजनाथ सिंह ने वहां एक बड़ा बयान दिया है। राजनाथ सिंह ने दम भरते हुए कहा कि आज, जब भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बोलता है, तो दुनिया ध्यान से सुनती है कि भारत क्या कह रहा है। अब भारत के साथ कोई दादागिरी नहीं कर सकता' और मुझे लगता है कि दुनिया का कोई भी देश ऐसी गलतफहमी नहीं पालेगा। इससे पहले राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 25,000 करोड़ रुपये के स्तर को छू गया है, जो कुछ साल पहले के 1,000 करोड़ रुपये से एक बड़ी छलांग है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार ने अब 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण में 3 लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात में 50,000 करोड़ रुपये हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है।

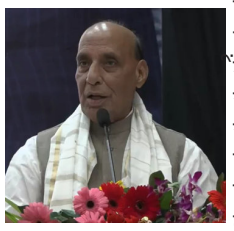

पर साझा की गई एक पोस्ट में, इंडिया ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हवाले से कहा कि हमारा रक्षा निर्यात, जो पहले 1,000 करोड़ रुपये से कम हुआ करता था, अब रिकॉर्ड 25,000 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है। हमने अब 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण में 3 लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात में 50,000 करोड़ रुपये हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता में इसके बढ़ते योगदान के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की सराहना की, क्योंकि उन्होंने तेजस एमके 1 ए की पहली उड़ान में भाग लिया और एचएएल के नासिक परिसर में नई विमान उत्पादन लाइनों का उद्घाटन किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि यह नासिक स्थित उनके संयंत्र का पहला दौरा था और उन्होंने वहाँ कार्यरत लोगों के उत्साह की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, 'एचएएल के नासिक परिसर का दौरा करने का यह मेरा पहला अवसर है

राहुल गांधी ने जुबीन गर्ग को दी श्रद्धांजलि, कहा- सिंगापुर घटना पर चाहिए पारदर्शिता और न्याय

गुवाहटी। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने असम के कामरूप जिले में गायक जुबीन गर्ग की समाधि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा कि मैंने परिवार से कहा कि मैं बेहतर परिस्थितियों और खुशहाल परिस्थितियों में आना पसंद करता। जब मैं 17 साल का था, तब मैं सिक्किम में पर्वतारोहण का कोर्स करने गया था। और हर दिन जब हम प्रशिक्षण के लिए जाते थे, तो मैं अपने सामने कंचनजंगा पर्वत को देखता था। और मुझे उस पर्वत की सबसे अच्छी बात यह लगी कि वह ईमानदार, पारदर्शी, अडिग और सुंदर था। राहुल गांधी ने आगे कहा कि आज, जब मैं आ रहा था, गौरव ने बताया कि जुबीन जी ने कहा था कि वह कंचनजंगा हैं, और मुझे तुरंत एहसास हुआ कि वह कंचनजंगा ही हैं क्योंकि उनमें कंचनजंगा के गुण थे... यह एक त्रासदी है जिसका सामना पूरे राज्य ने किया है। मैंने परिवार से बात की, और उन्होंने मुझसे बस एक ही बात कहीः हमने अपने जुबीन को खो दिया है और हम बस यही चाहते हैं कि सच्चाई सामने आए... सरकार का कर्तव्य है कि जो कुछ हुआ है उसकी तुरंत जाँच करे, पारदर्शी तरीके से जाँच करे, और परिवार को बताए कि सिंगापुर में क्या हुआ था।

यह पूछे जाने पर कि क्या वह दिवंगत गायक जुबीन गर्ग के लिए भारत रत्न की मांग करेंगे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, 'मैं विषय से भटकना नहीं चाहता।

आईआईटी बॉम्बे ने विकसित की ग्रीनहाउस गैसों के स्तर मापने की नई तकनीक, सैटेलाइट का होगा इस्तेमाल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। देश के प्रमुख महानगरों मुंबई और दिल्ली में वायु प्रदूषण और ग्रीनहाउस गैसों (मीथेन और कार्बन डाईऑक्साइड) के स्तर को मापने के लिए अब सैटेलाइट का इस्तेमाल किया जाएगा। आईआईटी बॉम्बे के शोधकर्ताओं ने सैटेलाइट से प्राप्त डाटा का उपयोग कर इन शहरों में कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन जैसी गैसों की मात्रा को सटीकता से मापने का तरीका खोज निकाला है।

भारत में फिलहाल ग्रीनहाउस गैसों की निगरानी के लिए जमीन आधारित स्टेशनों का बड़ा नेटवर्क नहीं है। इसी कमी को देखते हुए आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर मनोरंजन साहू और आदर्श अलगडे ने अंतरिक्ष से मिलने वाले डाटा पर भरोसा किया। सैटेलाइट डाटा के विश्लेषण से उन्होंने पाया कि पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली और मुंबई में ग्रीनहाउस गैसों का स्तर लगातार बढ़ रहा है। इसके साथ ही मौसम और शहर के अलग-अलग हिस्सों के आधार पर इसमें अंतर भी देखने को मिला। इस विश्लेषण से शोधकर्ताओं को 'मीथेन हॉटस्पॉट्स' यानी उच्च मीथेन उत्सर्जन वाले इलाकों की पहचान करने में मदद मिली। ये स्थान आम तौर पर कचरा

भराव क्षेत्र (लैंडफिल), अपशिष्ट जल (वेस्टवॉटर) प्रबंधन केंद्रों या अधिक औद्योगिक गतिविधियों वाले क्षेत्रों के आसपास पाए गए।

प्रो. साहू के अनुसार, सैटेलाइट मॉनिटरिंग से सरकार और नीति-निर्माताओं को यह समझने में मदद मिलेगी कि प्रदूषण के सबसे बड़े स्रोत कहां हैं। इससे वे ट्रैफिक नियंत्रण, लैंडफिल गैस प्रबंधन और औद्योगिक उत्सर्जन पर निगरानी जैसी नीतियों को प्राथमिकता दे सकेंगे। साथ ही समय के साथ इन नीतियों के प्रभाव का भी मूल्यांकन कर पाएंगे।

नासा और ईएसए के सैटेलाइट डाटा का उपयोग

शोधकर्ताओं ने मुख्य रूप से नासा के ऑर्बिटिंग कार्बन ऑब्जर्वेटरी-2 से प्राप्त कार्बन डाइऑक्साइड डाटा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के सेंटिनल-5पी सैटेलाइट से मिले मीथेन डाटा का उपयोग किया। चूंकि ये सैटेलाइट सीधे उत्सर्जन की मात्रा नहीं बताते, इसलिए आवश्यक मान निकालने के लिए शोधकर्ताओं ने विशेष एल्गोरिदम का सहारा लिया। डाटा की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए इसे टीसीसीओएन नामक वैश्विक जमीनी मापन नेटवर्क के साथ मिलाकर सत्यापित किया गया।

सैटेलाइट और जमीनी स्टेशन का संयुक्त उपयोग होगा सबसे प्रभावी

टीम ने पुराने डाटा के आधार पर भविष्य के रुझान अनुमानित करने के लिए सारिमा जैसे सांख्यिकीय मॉडल को दिल्ली और मुंबई के लिए अनुकूलित किया। हालांकि, प्रो. साहू का कहना है कि सैटेलाइट तकनीक की अपनी सीमाएं हैं, बादल, धूल और शहरी धुंध (स्मॉग) जैसे तत्व कभी-कभी माप को प्रभावित कर सकते हैं। इसके अलावा सैटेलाइट लगातार निगरानी करने के बजाय केवल एक-एक स्नैपशॉट प्रदान करते हैं।

इसलिए उनका मानना है कि सबसे बेहतर समाधान सैटेलाइट और जमीनी स्टेशनों का संयुक्त उपयोग है। इससे उत्सर्जन संबंधी अनुमानों की सटीकता बढ़ेगी और जलवायु नीति-निर्माण में ठोस आधार मिलेगा। भविष्य में मशीन लर्निंग और भौतिकी-आधारित मॉडल का संयोजन इस प्रक्रिया को और अधिक उन्नत बना सकता है।

ठाणे जिले में व्यक्ति का अपहरण कर 2.98 लाख रुपये की जबरन वसूली की गई, जांच जारी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में चार लोगों ने कथित रूप से एक व्यवसायी को अगवा कर उससे 2.98 लाख रुपये की जबरन वसूली की। पुलिस को संदेह है कि यह मामला व्यावसायिक रंजिश का है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

उल्हासनगर निवासी शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि एक आरोपी ने उसे 13 अक्टूबर को एक बैठक के लिए बुलाया था लेकिन पिस्तौल जैसी दिखने वाली किसी वस्तु को उसकी पीठ पर लगाकर उसे म्हारल गांव में एक खदान के पास एक सुनसान कमरे में ले गया। कमरे के अंदर पहुंचने के बाद चारों आरोपियों ने शिकायतकर्ता को जबरन उसका जीपे (गूगल पे) पिन बताने के लिए मजबूर कर उसके खाते से पैसे स्थानांतरित कर लिए। पुलिस ने बताया कि उन्होंने पीड़ित को उसकी पत्नी के खाते से भी लेन-देन करने के लिए मजबूर किया। जिससे कुल 2,98,500 रुपये की वसूली की गई।

उल्हासनगर थाने के एक अधिकारी ने

बताया कि व्यवसायी की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता के तहत अपहरण और जबरन वसूली के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

अधिकारी ने बताया, प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि अपराध के पीछे का मकसद व्यावसायिक रंजिश और वित्तीय विवादों से जुड़ा हुआ है। आरोपी में से एक की पहचान नरेश जगनमल छाबड़िया उर्फ नरेश पाकिस्तानी के रूप में हुई है। इसके स्थानीय विवादों में शामिल रहने का इतिहास रहा है। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों को पकड़ने और वसूली गई रकम को बरामद करने के प्रयास जारी हैं।

विधायक दिलीप लांडे ने चाँदीवली के नागरिकों को दिवाली उपहार वितरित किए

विधानसभा के 27 हज़ार नागरिकों को निःशुल्क आवश्यक वस्तुएँ वितरित की गईं

मुंबई। चाँदीवली विधानसभा क्षेत्र के शिवसेना विधायक दिलीप लांडे हर साल दिवाली के अवसर पर संभाग के नागरिकों को उपहार वितरित करते हैं और इस वर्ष भी लांडे दिवाली उपहार वितरण कार्यक्रम शुरू कर रहे हैं। विधायक दिलीप मामा लांडे ने दिवाली के अवसर पर चाँदिवली विधानसभा क्षेत्र के 27 हज़ार नागरिकों को निःशुल्क सूजी, मैदा, चीनी और अन्य वस्तुएँ वितरित कीं। यह कार्यक्रम वार्ड क्रमांक 157 में मंगलवार 14 अक्टूबर को चांदिवली संघर्षनगर स्थित म्युनिसिपल मराठी स्कूल में, वार्ड क्रमांक 158 और 159 में बुधवार 15 अक्टूबर को साकीनाका पारेरावाड़ी के झुंझार खेल मैदान में, वार्ड क्रमांक 163, 162, 164,166 में गुरुवार

16 अक्टूबर को कुर्ला काजूपाड़ा, छत्रपति शिवाजी मैदान और श्री गणेश मंदिर, पंचकुटीर, पवई के सामने वितरित किया गया। इस दिवाली उपहार को वितरित करते हुए विधायक दिलीप लांडे ने कहा कि हर साल दिवाली के अवसर पर शिवसेना के माध्यम से दिवाली के अवसर पर सूजी, मैदा और चीनी का वितरण किया जाता है, मैं कोई बड़ा काम नहीं करता, लेकिन मैं इसे अपना कर्तव्य मानता हूं, इसलिए मैं अपने प्रभाग के नागरिकों की दिवाली को मीठा बनाने की कोशिश करता हूं। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की जीवनशैली की तरह, मैं अपने प्रभाग के नागरिकों की सेवा के लिए दिन-रात उपलब्ध हूं। यह कार्यक्रम हर जगह बहुत अनुशासित कार्यकर्ताओं के सहयोग से चलाया गया और महिला वर्ग से भी इसे सहज प्रतिक्रिया मिली

पश्चिम रेलवे के खिलाड़ियों द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल मैदानों में उत्कृष्ट प्रदर्शन

पश्चिम रेलवे के एथलीटों द्वारा शक्ति, कौशल और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे ने एक बार फिर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों प्रतियोगिताओं में कुश्ती और हॉकी में उल्लेखनीय प्रदर्शन करके अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन किया है, जिससे संगठन को गौरव और पहचान मिली है।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पश्चिम रेलवे ग्रीको रोमन कुश्ती टीम ने 7 से 9 अक्टूबर 2025 तक एनआरएसए, नई दिल्ली में आयोजित 66वीं पुरुष अखिल भारतीय अंतर-रेलवे कुश्ती (फ्री स्टाइल और ग्रीको रोमन) चैम्पियनशिप 2025 में चैम्पियनशिप का

खिताब जीता। ग्रीको रोमन कुश्ती टीम ने 3 स्वर्ण पदक, 5 रजत पदक और 4 कांस्य पदक के साथ असाधारण पदक तालिका तैयार की। फ्री स्टाइल कुश्ती स्पर्धा में पश्चिम रेलवे के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 4 रजत और 2 कांस्य पदक अपने नाम किए, जो संगठन में मौजूद प्रतिभाशाली खेल कौशल का प्रमाण है। चीन के हांग्जो में आयोजित 2025 महिला हॉकी एशिया कप में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरव बढ़ाते हुए पश्चिम रेलवे की महिला हॉकी खिलाड़ी सुश्री नवनीत कौर और सुश्री मनीषा चौहान ने भारत का प्रतिनिधित्व किया, जहाँ भारतीय टीम ने रजत पदक जीता। नई दिल्ली में आयोजित 5वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 में घरेलू स्तर पर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को जारी रखते हुए सुश्री नवनीत कौर ने भारतीय रेल टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

पश्चिम रेलवे सभी एथलीटों, प्रशिक्षकों और सहयोगी कर्मचारियों को उनकी अटूट भावना, समर्पण और अनुकरणीय उपलब्धियों के लिए हार्दिक बधाई देती है, जो रेलवे समुदाय को निरंतर प्रेरित करती हैं। उनकी सफलता खेल उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के प्रति पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता का गौरवशाली प्रमाण है।

पश्चिम रेलवे द्वारा ऊर्जा संरक्षण के बेहतर उपायों की पहल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

आज के दौर में जहाँ ऊर्जा संरक्षण और पर्यावरणीय ज़िम्मेदारी पहले से कहीं ज़्यादा महत्वपूर्ण हो गई है, रेलवे द्वारा अपने नेटवर्क में स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाये जा रहे हैं। पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल के बिजली विभाग द्वारा बिजली की खपत कम करने, परिचालन दक्षता में सुधार लाने और पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों को अपनाने के उद्देश्य से ऊर्जा-बचत पहल शुरू की गई है। ये प्रयास एक हरित भविष्य के निर्माण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, स्थिरता और ऊर्जा दक्षता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अंतर्गत पश्चिम रेलवे द्वारा कई प्रभावशाली ऊर्जा संरक्षण अभियान शुरू किए गए हैं। ये प्रयास भारतीय रेल की पर्यावरण संरक्षण और परिचालन दक्षता के प्रति प्रतिबद्धता के अनुरूप हैं। इस पहल के अंतर्गत, मुंबई सेंट्रल मंडल के स्टेशनों और सेवा भवनों पर लगभग 12,500 ऊर्जा-कुशल ब्रशलेस डायरेक्ट करंट (BLDC) पंखे लगाए गए हैं। बीएलडीसी पंखे पारंपरिक सीलिंग पंखों की अपेक्षा लगभग 40% कम बिजली का उपयोग करते हैं, साथ ही ये अधिक शांत, टिकाऊ और उच्च प्रदर्शन वाले होते हैं। इसके अलावा, मंडल द्वारा स्टेशनों, कार्यालयों और सेवा क्षेत्रों में 1,48,700 से अधिक एलईडी फिक्स्चर लगाकर ऊर्जा-कुशल एलईडी प्रकाश व्यवस्था में पूर्ण परिवर्तन हासिल किया गया है। इस पहल से बिजली की खपत और रखरखाव की लागत में उल्लेखनीय कमी आई है।

यात्रियों की सुविधा बढ़ाने और ऊर्जा दक्षता बनाए रखने के लिए, दादर, बांद्रा टर्मिनस, बोरीवली, भायंदर, सूरत, उधना, नंदुरबार और वापी सहित प्रमुख स्टेशनों पर 10 प्राकृतिक वाटर कूलर लगाए गए हैं। ये कूलर बिना कंप्रेसर के काम करते हैं और इनकी शीतलन क्षमता 45 लीटर प्रति घंटा है। ये 150 लीटर तक पानी संग्रहित कर सकते हैं। ये कूलर न्यूनतम ऊर्जा का उपयोग करते हुए 23°C से 27°C के बीच तापमान बनाए रखते हैं। इसके अतिरिक्त, मुंबई सेंट्रल मंडल में एयर-कंडीशनिंग सिस्टम को और अधिक कुशलता से अनुकूलित करने के लिए 1,200 से ज़्यादा ऑक्यूपेंसी सेंसर लगाए गए हैं। ये स्मार्ट सेंसर मानवीय उपस्थिति का पता लगाते हैं और स्वचालित रूप से एयर-कंडीशनिंग को समायोजित करते हैं, जिससे खाली कमरों में अनावश्यक ऊर्जा की खपत कम होती है। इन निरंतर प्रयासों के माध्यम से, पश्चिम रेलवे नवीन और पर्यावरण-अनुकूल प्रौद्योगिकियों को अपनाकर एक मजबूत उदाहरण स्थापित कर रही है, जो एक हरित और अधिक ऊर्जा-कुशल भविष्य के दृष्टिकोण का समर्थन करती है।

विज्ञापन संबंधी सार्वजनिक अपील

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र सरकार, नगरीय विकास विभाग द्वारा जारी दिनांक 09 मई, 2022 की अधिसूचना के अनुसार, महाराष्ट्र नगर निगम डआसमानी चिह्न विज्ञापनों के प्रदर्शन का विनियमन एवं नियंत्रण. नियम, 2022 बृहन्मुंबई नगर निगम को छोड़कर सभी नगर निगम क्षेत्रों में लागू कर दिए गए हैं।

यदि नगर निगम क्षेत्र में कोई विज्ञापन प्रकाशित किया जाना है, तो महाराष्ट्र नगर निगम अधिनियम, धारा 244, 245 और महाराष्ट्र नगर निगम डआसमानी चिह्न विज्ञापनों के प्रदर्शन का विनियमन एवं नियंत्रण. नियम-2022 के अनुसार माननीय नगर आयुक्त से पूर्व लिखित अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य है।

विज्ञापन का अर्थ है किसी भी निजी/सार्वजनिक/राज्य सरकार/केंद्र सरकार/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम/सरकारी कंपनियों/सरकारी प्राधिकरणों आदि की भूमि/भवन परिसर/छत/संरचनाओं पर या किसी भी तरीके से रखा गया कोई भी उपकरण या साधन, जैसे कि घोषणाएँ या निर्देश, जैसे शब्द, अक्षर, मॉडल, दीवार शीट, विज्ञापन बोर्ड, कपड़ा बोर्ड, अस्थायी मेहराब, प्रकाशित संकेत, नाम बोर्ड, दिशा बोर्ड, आकाश संकेत, तख्तियां, डिजिटल बोर्ड, एलईडी, एलसीडी, बैकलिट बोर्ड, नियॉन बोर्ड डिस्प्ले, इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले, वीडियो डिस्प्ले, लेजर शो/शो, फ्यूग आदि। इसमें व्यावसायिक लाभ या प्रचार के

लिए उपभोक्ताओं को आकर्षित करने या सूचित करने के उद्देश्य से इनमें से किसी भी उपकरण या मीडिया द्वारा किसी भी सड़क, रास्ते आदि से दिखाई देने वाले तरीके से प्रदर्शित या प्रदर्शित किया गया कोई भी कथन या कोई भी कार्य शामिल है। ऐसे विज्ञापनों को प्रदर्शित करने के लिए, संबंधित विज्ञापनदाता को उक्त नियमों के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक विज्ञापन शुल्क के भुगतान के साथ आवश्यक दस्तावेज जमा करके नवी मुंबई नगर निगम से अनुमति प्राप्त करना अनिवार्य है।

तदनुसार, एक निजी संस्था, मेसर्स ऑर्नेट टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड को नवी मुंबई नगर निगम क्षेत्र में सभी विज्ञापन होर्डिंग्स, नेमप्लेट्स, नियॉन साइन और ग्लॉस साइन बोर्ड का सर्वेक्षण करने, मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से जानकारी एकत्र करने, कॉल सेंटर के माध्यम से विज्ञापन लाइसेंस प्राप्त करने के लिए संबंधित विज्ञापनदाताओं का मार्गदर्शन और अनुवर्ती कार्रवाई करने, संबंधित विज्ञापनदाताओं को नोटिस जारी करने आदि का कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

तदनुसार, नवी मुंबई नगर निगम क्षेत्र के नागरिकों से अपील है कि वे इस कार्य के लिए नगर निगम द्वारा नियुक्त मेसर्स ऑर्नेट टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि के साथ सहयोग करें, ताकि सभी संबंधित विज्ञापन होर्डिंग्स, नेमप्लेट्स, नियॉन साइन और ग्लॉस साइन बोर्ड का सर्वेक्षण करना संभव हो सके।

इसी प्रकार, किसी भी प्रकार के विज्ञापन प्रदर्शित करने के लिए, महाराष्ट्र नगर निगम डआसमानी विज्ञापन प्रदर्शन का विनियमन और नियंत्रण. नियम, 2022 के प्रावधानों के अनुसार, निर्धारित दस्तावेजों के साथ नवी मुंबई नगर निगम की वेबसाइट https://app.nmmconline.in पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा और उसके बाद, आवश्यक विज्ञापन शुल्क का भुगतान करके विज्ञापन लाइसेंस प्राप्त करना होगा।

शनि/रवि की मध्यरात्रि (शनिवार/रविवार की मध्यरात्रि) को कांजुरमार्ग स्टेशन पर पैदल ऊपरी पुल (एफओबी) को हटाने हेतु विशेष यातायात एवं विद्युत अवरोध

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेलवे, 18/19.09.2024 (शनिवार/रविवार की मध्यरात्रि) को कुर्ला-कल्याण खंड में विक्रोली-भांडुप के बीच कांजुरमार्ग में किलोमीटर 24/13-14 पर 100 एमटी रोड क्रेन द्वारा कल्याण और पुराने पैदल ऊपरी पुल के 'एन' प्रकार के ट्रस गर्डरों को हटाने और हटाने हेतु विशेष यातायात एवं विद्युत अवरोध लागू करेगा।

ब्लॉक का संचालन निम्नानुसार किया जाएगाः

ब्लॉक की तिथिः

18/19.09.2024 (शनिवार/रविवार की मध्यरात्रि)

ब्लॉक की अवधिः

00.00 बजे से 19.10.2025 को प्रातः 05.00 बजे तक - अप और डाउन धीमी, तेज़ और पाँचवीं व छठी लाइनों पर, विक्रोली और मुलुंड स्टेशनों को छोड़कर।

ब्लॉक के कारण निम्नलिखित परिणाम होंगेः

निम्नलिखित उपनगरीय सेवाएँ रद्द रहेंगी

ठाणे-कुर्ला लोकल, जो 18.10.2025 को 23.40 बजे ठाणे से प्रस्थान करेगी

ठाणे-सीएसएमटी लोकल, जो 19.10.2025 को 04.04 बजे ठाणे से प्रस्थान करेगी

सीएसएमटी-ठाणे लोकल, जो 18.10.2025 को 23.38 बजे

सीएसएमटी से प्रस्थान करेगी

सीएसएमटी-ठाणे लोकल, जो 19.10.2025 को 00.24 बजे सीएसएमटी से प्रस्थान करेगी

निम्नलिखित उपनगरीय सेवाएँ कुछ समय के लिए रोक दी जाएँगी

सीएसएमटी-ठाणे लोकल, जो 18.10.2025 को 23.00 बजे, 23.12 बजे, 23.46 बजे और 23.55 बजे सीएसएमटी से प्रस्थान करेगी 18 अक्टूबर 2025 को 22.18 बजे डोंबिवली से प्रस्थान करने वाली डोंबिवली-सीएसएमटी लोकल ट्रेन ठाणे में समाप्त हो जाएगी।

निम्नलिखित उपनगरीय सेवाएँ समय से पहले प्रस्थान करेंगी

19.10.2025 को विद्याविहार से सुबह 4.45 बजे प्रस्थान करने वाली कुर्ला-टिटवाला लोकल ट्रेन ठाणे से सुबह 5.09 बजे प्रस्थान करेगी।

19.10.2025 को ठाणे से सुबह 4.16 बजे प्रस्थान करने वाली ठाणे-सीएसएमटी लोकल ट्रेन कुर्ला से सुबह 4.42 बजे प्रस्थान करेगी।

ब्लॉक अवधि के दौरान माटुंगा-मुलुंड के बीच उपनगरीय ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन डाउन स्लो ट्रेनों को डाउन फास्ट लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा और वे विद्याविहार, कांजुरमार्ग और नाहुर स्टेशनों पर नहीं रुकेंगी।

अप स्लो ट्रेनों को अप फास्ट लाइन पर डायवर्ट किया जाएगा और वे नाहुर, कांजुरमार्ग और विद्याविहार स्टेशनों पर नहीं रुकेंगी। ये ब्लॉक बुनियादी ढाँचे के रखरखाव और सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे होने वाली असुविधा के लिए रेलवे प्रशासन के साथ सहयोग करें।

मध्य रेल

भुसावल मंडल

ई-निविदा सूचना

निविदा सं. :- BSL-L-W-T-48-2025 :- कार्य का विवरण : भाग ए - नासिक में यूपी पीएफ-4 पर डाउन ट्रेनों के स्वागत की सुविधा के लिए मुंबई छोर पर आपातकालीन क्रॉस ओवर के प्रावधान के लिए यार्ड रिमॉडलिंग के लिए ईआई के संबंध में विद्युतीकरण कार्य।; **भाग बी** - ओढ़ा में लंबी दूरी की ट्रेनों को संभालने के लिए लंबी दूरी की सुविधाओं के प्रावधान के लिए यार्ड रिमॉडलिंग के लिए प्रस्तावित ईआई के संबंध में विद्युतीकरण कार्य।; **भाग सी** - देवलाली स्टेशन पर कुंभ मेला 2027 के दौरान यात्री ट्रेनों को संभालने के लिए अतिरिक्त प्लेटफॉर्म के प्रावधान के लिए प्रस्तावित यार्ड रिमॉडलिंग के साथ ईआई कार्य के संबंध में विद्युतीकरण कार्य।; **भाग डी** - खेरवाडी स्टेशन पर 2027 में कुंभ मेला यातायात को संभालने के लिए अतिरिक्त यात्री प्लेटफॉर्मों के प्रावधान के लिए ईआई यार्ड रिमॉडलिंग के संबंध में विद्युतीकरण कार्य।; **भाग ई** - कस्बे सुकेने स्टेशन पर 2027 में कुंभ मेला यातायात को संभालने के लिए अतिरिक्त यात्री प्लेटफॉर्मों के प्रावधान के लिए ईआई यार्ड रिमॉडलिंग के संबंध में विद्युतीकरण कार्य। **2) अनुमानित लागत** : रु. 2,53,40,509 **3) ऑनलाईन बिड सबमिशन का अंतिम दिनांक और समय** : 07/11/2025 को 15:00 बजे, **4) वेबसाईट विवरण:** - https://www.ireps.gov.in.

Apex-006

अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस ⇌ जोधपुर के बीच सुपरफास्ट फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाएगा

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियां	प्रस्थान	आगमन
04826	बांद्रा टर्मिनस - जोधपुर (सुपरफास्ट साप्ताहिक विशेष)	23.10.2025 & 30.10.2025	21:20 hrs (गुरूवार)	21:45 hrs (अगले दिन)
04825	जोधपुर - बांद्रा टर्मिनस (सुपरफास्ट साप्ताहिक विशेष)	22.10.2025 & 29.10.2025	17:30 hrs (बुधवार)	18:20 hrs (अगले दिन)

हाल्टः दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, जयपुर, फुलेरा, नावा सिटी, कुचामन सिटी, मकराना, डेगाना, रेन, मेड़ता रोड और गोटन स्टेशन।

संरचनाः एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच

समय, ठहराव और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन संख्या 04826 की बुकिंग 18 अक्टूबर 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। उपरोक्त ट्रेन विशेष किराए पर विशेष ट्रेन के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: X.com/WesternRly
Follow us on: Instagram/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

देवेंद्र फडणवीस का दावाः बिहार में एनडीए के पक्ष में बह रही है हवा, जीत की गारंटी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव में कूद पड़े और उन्होंने भाजपा उम्मीदवार और बेगूसराय के मौजूदा विधायक कुंदन कुमार के लिए प्रचार किया। एएनआई से बात करते हुए, देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हवा एनडीए के पक्ष में बह रही है। फडणवीस ने कहा, 'चाहे बेगूसराय हो या पूरा बिहार, यहाँ हवा एनडीए के पक्ष में बह रही है। लोग एनडीए के साथ हैं। बिहार में प्रधानमंत्री मोदी के लिए हमेशा से अपार स्नेह रहा है और राज्य ने लगातार उन पर अपना दावा जताया है। मेरा मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार एक बार फिर एनडीए के साथ है।'

इससे पहले, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पुष्टि की कि एनडीए आगामी बिहार चुनावों में बड़ी जीत की ओर बढ़ रहा है। मौर्य ने एएनआई को बताया, 'बिहार में एनडीए बहुत बड़ी जीत की ओर बढ़ रहा है। महागठबंधन

चुनाव से पहले ही बिखर चुका है... एनडीए गठबंधन के सभी दल मिलकर चुनाव लड़ रहे हैं और उन्हें जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है।' जनता दल (यूनाइटेड) के नेता और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन (ललन सिंह) ने भी अपने पिछले बयान पर ज़ोर देते हुए महागठबंधन को धोखेबाज़ों का गिरोह या ठगबंधन कहा। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विधानसभा चुनाव लड़ रही है। उन्होंने एएनआई से कहा कि मैंने पहले भी कहा है और मैं फिर से कह रहा हूँ कि कोई 'महागठबंधन' नहीं है, बल्कि सिर्फ़ 'ठगबंधन' है... अमित शाह ने बार-बार कहा है कि हम नीतीश कुमार की देखरेख और नेतृत्व में बिहार चुनाव लड़ रहे हैं... विपक्ष सिर्फ़ हमारी छवि को नकारात्मक रूप से पेश करने की कोशिश कर रहा है... वे जो चाहें कर सकते हैं, मतदाता सब जानते हैं। बिहार चुनाव 2025 के लिए मतदान 6 और 11 नवंबर को होगा। नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाएँगे। एनडीए ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपनी सीट-बंटवारे की व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया है, जिसमें भाजपा और जनता दल (यूनाइटेड) 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) को छह-छह सीटें आवंटित की गई हैं, जबकि केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) 29 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

नवी मुंबई मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे का मीडिया प्रतिनिधियों के साथ दिवाली स्नेह सम्मेलन

मुंबई(संवाददाता) । नवी मुंबई मनपा द्वारा प्रदान की जाने वाली सार्वजनिक सेवाओं और परियोजनाओं की जानकारी नागरिकों तक पहुँचाने का कार्य मीडिया के माध्यम से ही होता है, और नागरिकों की समस्याएँ और सुझाव भी मीडिया के माध्यम से ही प्रशासन तक पहुँचते हैं। अतः मीडिया नागरिकों और मनपा के बीच एक अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी है, और देश के सबसे बड़े त्यौहार दिवाली के अवसर पर मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे की संकल्पना के अनुरूप नवी मुंबई मनपा मुख्यालय में दिवाली स्नेह सम्मेलन जैसी पहल बड़े उत्साह के साथ क्रियान्वित की गई। इस अवसर पर विभिन्न समाचार पत्रों और वृत्तचित्र चैनलों के प्रतिनिधि और कैमरामैन बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर, आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने मीडिया प्रतिनिधियों और कैमरामैन को दिवाली की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि मनपा की प्रतिष्ठा में मीडिया की बड़ी भूमिका होती है। हमारा नवी मुंबई शहर अन्य शहरों से अलग है और उन्होंने नवी मुंबई मनपा द्वारा स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, जलापूर्ति, सीवेज प्रबंधन, खेल सुविधाएं, सांस्कृतिक गतिविधियों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की जानकारी दी और आने वाले दिनों में लागू किए जाने वाले सुविधा कार्यों की भी जानकारी दी। उन्होंने नवी मुंबई को

पर्यटन की दृष्टि से एक लोकप्रिय शहर बनाने के लिए की जा रही योजना की भी जानकारी दी। इस अवसर पर आयुक्त के साथ अतिरिक्त आयुक्त डॉ. राहुल गेठे, नगर अभियंता श्री शिरीष आर्डवाड, अतिरिक्त नगर अभियंता श्री अरविंद शिंदे, उपायुक्त डॉ. कैलास गायकवाड़, डॉ. अजय गाडे, चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत जावड़े, मनपा सचिव श्री चित्रा बाविस्कर, संयुक्त आयुक्त श्री अलका महापुरकर और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मीडिया प्रतिनिधियों की ओर से श्री विनय म्हात्रे, श्री दिनेश पाटिल, श्री विनायक पाटिल, श्री बालासाहेब दरकुंडे, श्री सुधीर शर्मा, श्री अर्चना त्रिपाठी, श्री काकड़े और श्री मनोज जालनावाला ने दिवाली के नाश्ते के साथ सामाजिक मेलजोल के आयोजन और मीडिया प्रतिनिधियों के साथ अच्छी बातचीत के लिए आभार व्यक्त किया और इस अवधारणा की प्रशंसा की। इस अवसर पर कुछ मीडिया प्रतिनिधियों के साथ, उपायुक्त डॉ. कैलाश गायकवाड़ और मनपा सचिव श्री चित्रा बाविस्कर ने कविताएँ प्रस्तुत कीं। सभी के संयुक्त सहयोग से प्रशासन और पत्रकारों के बीच दिवाली का सामाजिक मेलजोल उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।

पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा यात्रियों से जुड़ने के लिए 'अमृत संवाद' का आयोजन

बदलाव के लिए बातचीत, सेवा के लिए प्रतिबद्धता - जन संवाद से जन विकास

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

अमृत काल के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप और माननीय प्रधान मंत्री द्वारा व्यक्त पंच प्राण के मार्गदर्शक सिद्धांतों से प्रेरित होकर पश्चिम रेलवे के मुंबई सेंट्रल मंडल द्वारा 16 अक्टूबर 2025 को मुंबई सेंट्रल स्टेशन के कॉनकोर्स एरिया में एक गतिशील 'अमृत संवाद' का आयोजन किया गया। विशेष अभियान 5.0 के तहत आयोजित इस पहल का उद्देश्य सामूहिक भागीदारी के माध्यम से परिवर्तनकारी प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए रेलवे अधिकारियों और यात्रियों के बीच सीधे जुड़ाव को बढ़ावा देना था।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस कार्यक्रम का नेतृत्व मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह ने किया, जिन्होंने अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ एक खुले प्रश्नोत्तर सत्र में यात्रियों से सीधे बातचीत की। इस संवाद में यात्रियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और जन सुरक्षा, स्टेशन सुविधाओं, डिब्बों में सीसीटीवी कैमरों के साथ-साथ प्रीमियम स्लीपर लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों की शुरुआत के बारे में प्रश्न पूछे और सुझाव साझा किए। मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज सिंह ने प्रत्येक प्रश्न का ध्यानपूर्वक उत्तर दिया और यात्रियों को यात्री सुविधाओं में

वृद्धि, सुरक्षा प्रणालियों को सुदृढ़ करने और आधुनिक, तकनीक-संचालित यात्रा अनुभव प्रदान करने की दिशा में निरंतर प्रयासों का आश्वासन दिया। उन्होंने यात्रियों को स्वच्छता बनाए रखने, ज़िम्मेदार यात्रा आदतें अपनाने और राष्ट्र निर्माण की यात्रा में सकारात्मक योगदान देकर रेलवे के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

अमृत संवाद पहल का उद्देश्य नागरिकों और प्रशासन के बीच सहभागिता को सशक्त बनाते हुए ऐसा संवाद मंच तैयार करना है, जहां जनसुझावों को ठोस नीतिगत एवं विकासात्मक कार्यों में रूपांतरित किया जा सके। यह पहल अमृत काल और पंच प्राण के संकल्पों से प्रेरित होकर वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ट्रेन गोलीकांड के गवाह की कोर्ट में पेशी, बताया- कांस्टेबल ने यात्री पर तानी थी गन, सुनाई आंखों देखी

मुंबई। मुंबई में 31 जुलाई 2023 को चलती ट्रेन में हुए गोलीकांड पर एक गवाह ने शुक्रवार (17 अक्तूबर) को मुंबई की एक अदालत को बताया कि उसने आरोपी को बंदूक के बल पर एक यात्री को डिब्बे से बाहर ले जाते देखा था। इस घटना में अब बर्खास्त आरपीएफ कांस्टेबल ने चलती ट्रेन में कथित तौर पर चार लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

आरपीएफ कांस्टेबल चेतन सिंह ने अपने वरिष्ठ अधिकारी और तीन यात्रियों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना मुंबई के पास जयपुर-मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट एक्सप्रेस में हुई थी, जहां आरोपी चेतन सिंह ड्यूटी पर तैनात था। उसने अपनी स्वचालित हथियार से अपराध किया और बाद में मीरा रोड और दहिसर के बीच उसे गिरफ्तार किया।

कोर्ट में गवाह की पेशी, बताई यात्री की पहचान

अब उसी ट्रेन में सवार यात्री बैंक मैनेजर, जो गवाह हैं वो मामले की सुनवाई कर रहे अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (दिंडोशी कोर्ट) एम एच पठान के समक्ष गवाह के रूप में पेश हुए। अभियोजन पक्ष की ओर से यात्री का विवरण पूछे जाने पर गवाह ने अदालत में कहा, 'उसकी दाढ़ी थी, मूंछें नहीं थीं और उसका शारीरिक रूप देखकर कोई भी समझ सकता है कि वह मुस्लिम समुदाय से था।'

पूर्व रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) कांस्टेबल चौधरी पर 31 जुलाई, 2023

की तड़के मुंबई से लगभग 100 किलोमीटर दूर पालघर स्टेशन के पास एक्सप्रेस ट्रेन में अपने वरिष्ठ सहयोगी, सहायक उप-निरीक्षक टीका राम मीणा और तीन यात्रियों की गोली मारकर हत्या करने का आरोप है।

न्यायिक हिरासत में जेल में है आरोपी जवान

तीनों मृतक यात्री, अब्दुल कादर मोहम्मद हुसैन भानपुरवाला, सैय्यद सैफुद्दीन और असगर अब्बास शेख, ट्रेन की अलग-अलग बोगियों में यात्रा कर रहे थे। चौधरी (41), जिन्हें इस जानलेवा गोलीबारी के बाद सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था, उसे बाद में राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने गिरफ्तार कर लिया। वह वर्तमान में न्यायिक हिरासत में जेल में है।

अतिरिक्त लोक अभियोजक सुधीर सपकाले द्वारा पूछताछ किए जाने पर गवाह ने बताया कि वह ट्रेन के बी2 कोच में यात्रा कर रहा था। बैंक मैनेजर के अनुसार, सुबह लगभग 5 बजे उसने देखा कि एक आरपीएफ कांस्टेबल राइफल लेकर उसके कोच में आया और बीच वाली बर्थ पर सो रहे एक यात्री को जगा दिया। गवाह ने याद किया कि आरपीएफ कांस्टेबल ने राइफल तानकर यात्री को खड़े होने और डिब्बे से बाहर आने को कहा।

उसी कोच में सवार थे बैंक मैनेजर

गवाह ने अदालत को बताया, 'फिर आरपीएफ कांस्टेबल ने बंदूक के बल पर उस व्यक्ति (यात्री) को मेरे कोच से बाहर निकाल लिया।' उसने गवाही में कहा, 'घर पहुंचने पर मुझे पता चला कि आरपीएफ कांस्टेबल ने अपने वरिष्ठ अधिकारी और उस व्यक्ति सहित चार लोगों की हत्या कर दी थी, जिसे उसने बंदूक की नोक पर कोच से बाहर निकाला था।'

बचाव पक्ष के वकील जयवंत पाटिल के एक सवाल के जवाब में बैंक मैनेजर ने दावा किया कि उसे गोलीबारी की घटना के बारे में समाचार चैनलों और अपने कार्यालय के सहकर्मियों से पता चला, जो इस बारे में बात कर रहे थे। गवाह ने इससे पहले ठाणे जेल, जहां आरोपी बंद है वहां पहचान परेड के दौरान आरोपी की पहचान की थी।

अदालत में भी उसने बर्खास्त आरपीएफ कांस्टेबल की पहचान की, जिसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया था। आरोपी चौधरी पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 (हत्या), 153-ए (धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) के साथ-साथ रेलवे अधिनियम और महाराष्ट्र संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत आरोप लगाए गए हैं।

अगले शैक्षणिक वर्ष से चौथी और सातवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति परीक्षा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

सरकार ने पूर्व-उच्च प्राथमिक छात्रवृत्ति परीक्षा और पूर्व-माध्यमिक छात्रवृत्ति परीक्षा के स्तर को कक्षा 5 से कक्षा 4 और कक्षा 8 से कक्षा 7 में बदलने को मंज़ूरी दे दी है। छात्रवृत्ति परीक्षा में यह बदलाव शैक्षणिक सत्र 2025-26 से लागू होगा। इसके परिणामस्वरूप, शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 5 और कक्षा 8 के लिए छात्रवृत्ति परीक्षा (अंतिम रूप से) आमतौर पर फरवरी 2026 के दूसरे या तीसरे रविवार को आयोजित की जाएगी। जबकि कक्षा 4 और कक्षा 7 के लिए छात्रवृत्ति परीक्षा आमतौर पर अप्रैल या मई 2026 में किसी भी रविवार को आयोजित की जाएगी। वर्ष 2026-27 से कक्षा 4 और कक्षा 7 में छात्रवृत्ति परीक्षा नियमित रूप से आयोजित की जाएगी।

कक्षा 4 के लिए प्रति वर्ष पाँच हज़ार रुपये और कक्षा 7 के लिए प्रति वर्ष सात हज़ार पाँच सौ रुपये की दर से छात्रवृत्ति राशि स्वीकृत की गई है। कक्षा IV और कक्षा V के लिए 16,693-16,693 छात्रवृत्ति सेट और कक्षा VII और कक्षा VIII के लिए 16,588-16,588 छात्रवृत्ति सेट स्वीकृत होते रहेंगे। इसी प्रकार, पूर्व-उच्चतर माध्यमिक छात्रवृत्ति परीक्षा और पूर्व-माध्यमिक छात्रवृत्ति परीक्षा का नाम अब 'प्राथमिक छात्रवृत्ति परीक्षा' (ई.चतुर्थ स्तर) और 'उच्च प्राथमिक छात्रवृत्ति परीक्षा' (ई.सप्तम स्तर) होगा।

राज्य के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ने वाले गरीब, होनहार, मेधावी एवं बुद्धिमान विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने, उन्हें आगे की शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने तथा अन्य विद्यार्थियों को उनका अनुकरण कर अध्ययन का आनंद लेने हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से ओपन मेरिट छात्रवृत्ति प्रदान करने की योजना 1954-55 से संचालित है। तदनुसार, इस छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत प्रतिवर्ष छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया जाता है। केंद्र सरकार के निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के मद्देनजर, राज्य में लागू छात्रवृत्ति परीक्षा का स्तर कक्षा IV से कक्षा V और कक्षा VII से कक्षा VIII कर दिया गया।

तदनुसार, यह छात्रवृत्ति परीक्षा वर्ष 2016-17 से कक्षा 5 और 8 के विद्यार्थियों के लिए नियमित रूप से आयोजित की जा रही है। हालाँकि, छात्रवृत्ति परीक्षा के स्तर में परिवर्तन के बाद, यह देखा गया है कि प्रवेशित विद्यार्थियों की कुल संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। अतः, स्थानीय स्वशासन निकायों में विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने और विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की गुणवत्ता में सुधार हेतु, सरकार छात्रवृत्ति परीक्षा के स्तर को कक्षा 5 से कक्षा 4 और कक्षा 8 से कक्षा 7 में बदलने पर विचार कर रही थी। तदनुसार, नियम व शर्तों में संशोधन करके व्यापक मामलों पर एक सरकारी निर्णय प्रकाशित किया गया है।

नियम व शर्तें

सरकारी मान्यता प्राप्त (सरकारी/सहायता प्राप्त/गैर-सहायता प्राप्त/स्थायी गैर-सहायता प्राप्त/स्व-वित्तपोषित) विद्यालयों के विद्यार्थी प्राथमिक छात्रवृत्ति परीक्षा और उच्च प्राथमिक छात्रवृत्ति परीक्षा में बैठने के पात्र होंगे। सीबीएसई, आईसीएसई और अन्य पाठ्यक्रम वाले विद्यालयों के विद्यार्थियों को कुछ शर्तों के अधीन इस छात्रवृत्ति परीक्षा में बैठने के लिए प्रवेश दिया जा रहा है।

पात्रता

छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए, छात्र महाराष्ट्र का निवासी होना चाहिए और किसी सरकारी मान्यता प्राप्त सरकारी/सहायता प्राप्त/गैर-सहायता प्राप्त/स्थायी गैर-सहायता प्राप्त/स्व-वित्तपोषित विद्यालय में कक्षा 4 या कक्षा 7 में अध्ययनरत होना चाहिए।

आयु सीमा

प्राथमिक छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए, सभी श्रेणियों के छात्रों की अधिकतम आयु 1 जून को 10 वर्ष और दिव्यांग छात्रों के लिए 14 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। उच्च प्राथमिक छात्रवृत्ति परीक्षा के लिए, सभी श्रेणियों के छात्रों की आयु 13 वर्ष और दिव्यांग छात्रों के लिए 17 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

परीक्षा शुल्क

गैर-पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए प्रवेश शुल्क 50 रुपये और परीक्षा शुल्क 150 रुपये होगा, यानी कुल शुल्क 200 रुपये होगा। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, घुमंतू जाति-विमुक्त जनजाति, पिछड़ा वर्ग और दिव्यांग छात्रों के लिए प्रवेश शुल्क 50 रुपये और परीक्षा शुल्क 75 रुपये होगा, यानी कुल शुल्क 125 रुपये होगा। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक भाग लेने वाले विद्यालय को परीक्षा परिषद में प्रति वर्ष 200 रुपये का पंजीकरण शुल्क जमा करना होगा।

विद्यानिकेतन में प्रवेश

कक्षा IV के लिए प्राथमिक छात्रवृत्ति परीक्षा, राजकीय विद्यानिकेतन प्रवेश परीक्षा, जनजातीय विद्यानिकेतन प्रवेश परीक्षा, और विमुक्त जाति एवं घुमंतू जनजाति विद्यानिकेतन प्रवेश परीक्षा पहले की तरह एक साथ आयोजित की जाएँगी।

छात्रवृत्ति दरों में वृद्धि एवं सुधार

कक्षा IV के लिए 500 रुपये प्रति माह की छात्रवृत्ति राशि स्वीकृत की गई है, जो 200 रुपये प्रति माह है। 5,000 प्रति वर्ष। कक्षा सात के लिए 750 रुपये प्रति माह, यानी 7,500 रुपये प्रति वर्ष की छात्रवृत्ति राशि स्वीकृत की गई है। इस संबंध में सरकारी निर्णय में स्पष्ट किया गया है कि दोनों छात्रवृत्तियों की अवधि तीन-तीन वर्ष होगी।

आदि कर्मयोगी मिशन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए गढ़चिरौली ज़िले को राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए

धरती आबा जनभागीदारी अभियान में महाराष्ट्र सर्वश्रेष्ठ

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महाराष्ट्र को धरती आबा जनभागीदारी अभियान में सर्वश्रेष्ठ राज्य और गढ़चिरौली ज़िले को 'आदि कर्मयोगी अभियान' में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित आदि कर्मयोगी अभियान के राष्ट्रीय सम्मेलन में, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राज्य, ज़िला, तालुका और एकीकृत आदिवासी विकास संस्थानों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार प्रदान किए। धरती आबा जनभागीदारी अभियान के लिए महाराष्ट्र राज्य पुरस्कार आदिवासी विकास विभाग के सचिव विजय वाघमारे ने प्राप्त किया। जबकि आदि कर्मयोगी अभियान में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए गढ़चिरौली ज़िले का पुरस्कार ज़िला कलेक्टर अभिश्यंत पांडा ने प्राप्त किया।

अध्यक्ष द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि यह सम्मेलन हमारे शासन को वास्तव में सहभागी, समावेशी और जनभागीदारी पर आधारित बनाने के राष्ट्रीय संकल्प का प्रतिबिंब है। आदि कर्मयोगी अभियान प्रत्येक आदिवासी गाँव को आत्मनिर्भर और गौरवान्वित बनाने के परिवर्तनकारी दृष्टिकोण के साथ शुरू किया गया था। इस अभियान का उद्देश्य राष्ट्र की विकास यात्रा में आदिवासी समुदायों को शामिल करना और विकास का लाभ सभी आदिवासी क्षेत्रों और लोगों तक पहुँचाना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनजातीय कार्य योजना आदिवासी लोगों और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आदि कर्मयोगी अभियान ग्राम सभाओं और समुदाय-नेतृत्व वाली संस्थाओं को सशक्त बनाकर जनभागीदारी को बढ़ावा देता है। मुर्मू ने कहा कि आदिवासी समुदाय की सार्थक भागीदारी राष्ट्रीय नीति को प्रभावित कर सकती है और योजनाओं को अधिक प्रभावी बना सकती है।

आदिवासी समुदाय देश की सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। आदिवासी परंपराएँ हमें सिखाती हैं कि विकास प्रकृति के साथ सामंजस्य में होना चाहिए। पिछले कुछ वर्षों में, सरकार ने आदिवासी समुदायों के सर्वांगीण विकास के लिए कई ठोस कदम उठाए हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य न केवल वित्तीय सहायता प्रदान करना है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार, तकनीकी कौशल और शासन में समान भागीदारी के अवसर प्रदान करना भी है।

सरकार ने आदिवासी क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे का तेज़ी से विस्तार किया है और आदिवासी युवाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए आवासीय विद्यालय और छात्रवृत्ति कार्यक्रम स्थापित किए हैं। कौशल विकास और स्वरोज़गार योजनाओं ने पारंपरिक शिल्प, हस्तशिल्प और उद्यमिता को नई गति दी है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि इन प्रयासों से न केवल आजीविका के अवसर बढ़े हैं, बल्कि आदिवासी लोगों में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता भी बढ़ी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यह भी कहा कि एक विकसित भारत की यात्रा में, हमें यह याद रखना चाहिए कि राष्ट्र और समाज का वास्तविक विकास समाज के सभी वर्गों के विकास में निहित है। हमें एक समावेशी समाज का निर्माण करना होगा, जहाँ सभी नागरिक सार्थक रूप से भाग ले सकें और अपने भाग्य को स्वयं आकार दे सकें।

सुशासन के लिए प्रौद्योगिकी-आधारित प्रशासन की आवश्यकता- वी. श्रीनिवास

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

प्रधानमंत्री के 'न्यूनतम सरकारी हस्तक्षेप' के दृष्टिकोण के आधार पर सुशासन का एक प्रौद्योगिकी-आधारित मॉडल विकसित किया गया है। कार्मिक एवं पेंशन विभाग के सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा, 'हमारा लक्ष्य प्रशासन को सरल, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाना है।' वे मंत्रालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की महाराष्ट्र क्षेत्रीय शाखा की वार्षिक सम्मेलन व्याख्यान श्रृंखला 2025 में बोल रहे थे।

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की महाराष्ट्र क्षेत्रीय शाखा के मानद अध्यक्ष स्वाधीन क्षत्रिय ने विज़न इंडिया 2047 के तहत 'विकसित भारत' के निर्माण की दिशा में सरकार में गुणवत्ता वृद्धि, शिकायत निवारण और सर्वांगीण विकास के लिए नियोजित विभिन्न पहलों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सीपीग्राम, पीएम गति शक्ति, डिजी यात्रा, जीवन प्रमाण, पोषण ट्रैकर, पीएम स्वनिधि के साथ-साथ मिशन कर्मयोगी और भविष्य पोर्टल जैसी प्रौद्योगिकी-आधारित योजनाएँ नागरिक-उन्मुख प्रशासन का निर्माण कर रही हैं।

महाराष्ट्र के योगदान का उल्लेख करते हुए, उन्होंने जिला सुशासन सूचकांक, मंत्रालय सुधार और सुशासन नियमावली जैसी पहलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शासन प्रणाली तीन 'विश्वास, पारदर्शिता और कुशल सेवा' के स्तंभ।

सम्मेलन की अध्यक्षता स्वाधीन क्षत्रिय ने की। उन्होंने सभी का स्वागत किया और श्रीनिवास को विशेष रूप से बधाई दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'लोक नीति' का अर्थ है नीति निर्माण और 'लोक प्रशासन' का अर्थ है कार्यान्वयन, ये दोनों तत्व एक-दूसरे के पूरक हैं। 'प्रशासन' का अर्थ है लोक सेवा - नागरिक-केंद्रित, समावेशी और संवेदनशील शासन ही सच्चा सुशासन है,' उन्होंने कहा। उन्होंने कहा कि डॉ. गडकरी स्मृति पुरस्कार 2025 श्री हर्ष पोद्दार को और 2024 विजयलक्ष्मी बिदरी को उनके अभिनव कार्यों के लिए प्रदान किया गया।

उन्होंने कार्यालय प्रक्रिया नियमावली और सुशासन नियमावली का उल्लेख करते हुए सरकारी कार्यों को और अधिक कुशल और आधुनिक बनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने महाराष्ट्र में नवाचारों का उदाहरण देते हुए एआई प्लेटफॉर्म मार्ल्स के लिए आईपीएस अधिकारी हर्ष पुंतल और ई-पंचनामा प्रणाली के लिए विजयलक्ष्मी बर्त्री की भी सराहना की।

अपर मुख्य सचिव मनीषा वर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि नागरिकों और सरकार के बीच संबंध अब अधिक जवाबदेह और पारदर्शी हो गए हैं। नागरिक अब केवल लाभार्थी ही नहीं हैं, बल्कि सरकार के कामकाज पर सक्रिय रूप से नज़र भी रखते हैं। उन्होंने कहा कि परिणामोन्मुखी कार्यप्रणाली आज की ज़रूरत है।

कार्यक्रम में मंत्रालय के बड़ी संख्या में अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन विशेष कार्याधिकारी शशांक वाई. बर्वे ने किया।

सम्पादकीय

नकली दवाओं और खतरनाक सौंदर्य प्रसाधनों पर अब सरकार कसेगी नकेल क्या-क्या बदल सकता है नया कानून?

किसी भी रोग की दवा से लेकर रसायनों के मिश्रण से तैयार हर वह पदार्थ हमेशा ही संबंधित एजंसियों की निगरानी के दायरे में होना चाहिए, जो इंसानी सेहत के लिए जोखिम का कारक बन सकते हैं। हालांकि सरकार के मातहत इसके लिए बाकायदा एक तंत्र है, लेकिन इसके बावजूद बाजार में ऐसी दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की बिक्री खुलेआम होती रहती है, जिनके उपयोग के बाद स्वास्थ्य कई तरह के जोखिम के दायरे में आ जाता है।

ऐसा नहीं है कि इस तरह के खतरनाक रसायनों के इस्तेमाल पर रोक के लिए कानून नहीं हैं, लेकिन या तो वे अपर्याप्त हैं या फिर उन्हें सख्ती से लागू करने को लेकर सरकारी एजंसियों के भीतर कोई इच्छाशक्ति नहीं है। यह बेवजह नहीं है कि ऐसी दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों के इस्तेमाल से कई बार नाहक ही लोगों की मौत होने या स्वास्थ्य को गंभीर नुकसान पहुंचने की खबरें आती रहती हैं।

यों तो सरकार को इससे संबंधित नियम-कायदों को पहले ही सख्ती से लागू करना चाहिए था, लेकिन अब नए सिरे से नकली या जोखिम का वाहक बनने वाली दवाओं और नुकसानदेह सौंदर्य प्रसाधनों पर नकेल कसने की तैयारी हो रही है।

दरअसल, हाल ही में कुछ राज्यों में खांसी की दवा पीने से कई बच्चों की मौत की खबरें आईं और इससे हर तरफ चिंता पैदा हुई। अब केंद्र सरकार दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की सख्त गुणवत्ता जांच और निगरानी के लिए कानून लाने जा रही है। इस संबंध में 'औषधि, चिकित्सा उपकरण और सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 2025' का मसविदा संसद के आगामी सत्र में पेश किया जा सकता है। देश भर में आए दिन नकली दवाओं की बिक्री और उससे पैदा खतरों को लेकर सवाल उठते रहते हैं।

अगर कभी कोई मामला तूल पकड़ लेता है, तब थोड़ी सख्ती और कार्रवाई होती दिखती है। मगर आमतौर पर कार्रवाई के दायरे में निचले स्तर के कुछ कर्मचारी या अधिकारी ही आते हैं। मामला शांत होने के बाद फिर दवाओं के निर्माण को लेकर गुणवत्ता और तय कसौटियों में व्यापक लापरवाही बदस्तूर जारी रहती है।

इसी के मद्देनजर विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ-साथ विश्व भर के कई बड़े स्वास्थ्य नियामकों की ओर से भारतीय दवा निर्माताओं की गुणवत्ता संबंधी गंभीर खामियों को लेकर बार-बार शिकायतें और चिंता दर्ज कराई गई। मगर ऐसा लगता है भारत में सरकार और दवा कंपनियों की नींद तब तक नहीं खुलती, जब तक कोई बड़ा नुकसान नहीं हो जाता और कुछ लोगों की जान नहीं चली जाती। ऐसी दवाओं के बारे में भी खबरें आती रहती हैं, जो दूसरे कुछ देशों में प्रतिबंधित होती हैं, लेकिन यहां वे धड़ल्ले से चिकित्सकों के परामर्श तक में शामिल दिख जाती हैं।

इसी तरह, सौंदर्य प्रसाधनों में कई ऐसे हैं, जिनमें हानिकारक रसायन मिले होते हैं और वे दीर्घकालिक तौर पर शरीर या इसके खास हिस्से को गंभीर नुकसान पहुंचा सकते हैं। मगर बिना किसी निगरानी और जांच-परख के नकली दवाओं से लेकर सौंदर्य प्रसाधनों के उत्पाद खुले बाजार में खरीदे-बेचे जाते रहते हैं। दूसरी ओर, लोगों के बीच भी अपने स्तर पर किसी उत्पाद या दवा की जांच कराने की सुविधा से लेकर अपेक्षित जागरूकता का अभाव देखा जाता है।

अब यह देखने की बात होगी कि इस संबंध में प्रस्तावित कानून किस रूप में सामने आता है और सरकार के संबंधित महकमे जोखिम का वाहक बनने वाली दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की बिक्री और उत्पादन पर रोक लगाने के लिए कैसी इच्छाशक्ति के साथ काम करते हैं।

आखिर कौन बनेगा बिहार का अगला मुख्यमंत्री, गठबंधन सस्पेंस बरकरार! नीतीश-तेजस्वी के नाम की घोषणा का इंतजार

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए टिकट के बंटवारे के बाद भले ही चुनाव प्रचार अभियान शुरू हो गया है, लेकिन भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए), कांग्रेस नीत इंडिया महागठबंधन और जनसुराज पार्टी ने अपने-अपने मुख्यमंत्री के नाम पर सस्पेंस अभी तलक बरकरार रखा है। इससे मतदाताओं का संशय बढ़ता जा रहा है। इससे नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव को दिन में ही तारे नज़र आ रहे हैं, क्योंकि गठबंधन सहयोगियों ने इनके पर कतर डाले हैं!

यही वजह है कि एनडीए के घटक दल हिंदुस्तान अवामी मोर्चा (हम) के नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने कहा है कि मुख्यमंत्री का नाम अब स्पष्ट कर दिया जाना चाहिए। जबकि भाजपा, कांग्रेस और जनसुराज की सुविचारित रणनीति है कि मुख्यमंत्री के नाम का फैसला विधायक दल करेगा। सवाल है कि जीतन राम मांझी ने ऐसा क्यों कहा? क्या नीतीश कुमार के इशारे पर उन्होंने ऐसा कहा, या फिर कोई और बात है।

बताया जाता है कि बिहार में जनता दल यूनाइटेड के नेता और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विगत दो दशकों से इस पद पर एन-केन-प्रकारेण काबिज हैं। बीच में उन्होंने कुछ समय के लिए दलित नेता जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनवाया था, लेकिन उनके रंग बदलने के बाद फिर से कमान अपने हाथ में ले लिए। वर्ष 2020 के चुनाव में कम सीटें मिलने के बाद भी भाजपा नेताओं ने उन्हें मुख्यमंत्री बनाये की जाए। जबकि भाजपा सिर्फ इतना कहती है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही राजग चुनाव लड़ रहा है।

समझा जा रहा है कि भाजपा, जदयू, लोजपा आर, हम और

रखा, जिससे उनके सियासी महत्व का अंदाजा लगाया जा सकता है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि नीतीश कुमार को बिहार की समाजवादी सियासत का चाणक्य तब से कहा जाता है, जबकि भाजपा के राजनीतिक चाणक्य समझे जाने वाले अमित शाह सिर्फ गुजरात की सियासत तक सीमित थे। ऐसे में नीतीश कुमार और उनके समर्थकों की इच्छा है कि भावी मुख्यमंत्री के लिए नीतीश कुमार के नाम की घोषणा रालोमो के बीच टिकट बंटवारे को लेकर जो खींचातानी चली, उससे एनडीए की प्रतिष्ठा और साख दोनों प्रभावित हुई है। इसलिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह फूंक-फूंक कर कोई भी कदम उठा रहे हैं। उन्हें डर है कि उम्रदराज नेता नीतीश कुमार के नाम की घोषणा होते ही युवा वर्ग एनडीए से छिटक सकता है। दूसरा डर यह है कि नीतीश कुमार के नाम की घोषणा होते ही एंटी इनकम्बेंसी फैक्टर हावी हो सकता है। तीसरा डर यह है कि नीतीश कुमार के विरोधी भीतरघात कर सकते हैं। हालांकि, नीतीश कुमार को एक मौका और दिए जाने की वकालत एनडीए में जारी है।

ठीक इसी प्रकार कांग्रेस भी इंडिया महागठबंधन के भावी मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के नाम का ऐलान करने से बचना चाहती है। क्योंकि उसे डर है कि ऐसा करते ही सवर्ण और दलित मतदाता कांग्रेस से छिटक जाएंगे। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 के पहले या बाद में इस वर्ग का रुझान कांग्रेस की ओर बढ़ा है। वहीं, अल्पसंख्यकों ने भी क्षेत्रीय दलों का साथ छोड़कर कांग्रेस को प्राथमिकता दी है।

कांग्रेस पार्टी का गुप्त तौर पर यह भी मानना है कि राजद सुप्रीमो पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के जंगलराज (2000-2005) को बिहार के लोग नहीं भूले हैं। ये दोनों तेजस्वी यादव के माता-पिता हैं, जिनपर कई तरह के भ्रष्टाचार के मुकदमे चल रहे हैं। आईआरसीटीसी से जुड़े एक घोटाले में पूर्व रेलमंत्री लालू प्रसाद, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव का भी नाम शामिल है। खुद तेजस्वी यादव पर भी उपमुख्यमंत्री पद के दुरूपयोग के आरोप लगे हैं।

यही वजह है कि राहुल गांधी उनके नाम के ऐलान से परहेज कर रहे हैं, क्योंकि कांग्रेसी रणनीतिकारों ने भी उन्हें यही सुझाव दिया है। इसी के चलते सीट बंटवारे में भी तेजस्वी यादव, कांग्रेस को उसका वाजिब हिस्सा नहीं दे रहे हैं। जब एक कमजोर कांग्रेस 2020 में 70 सीटों पर चुनाव लड़ी थी तो 2024 के बाद मजबूत हुए कांग्रेस को 100 सीटें नहीं देना गठबंधन न्याय नहीं कहा जा सकता है।

रही बात चुनावी रणनीतिकार रहे प्रशांत किशोर की नवस्थापित पार्टी जनसुराज की तो वह शुरू से ही बिना मुख्यमंत्री पद के नाम की घोषणा किए ही सभी सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं और एनडीए और इंडिया महागठबंधन को नाको चने चबाने पर मजबूर कर रहे हैं। कहीं उनके उम्मीदवार एनडीए की हार की वजह बनेंगे तो कहीं इंडिया गठबंधन की हार की वजह बनेंगे।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि एनडीए और इंडिया गठबंधन की लड़ाई के बीच जनसुराज के उम्मीदवार बाजी भी मार सकते हैं। समझा जाता है कि बिहार के मतदाता टीम लालू प्रसाद और टीम नीतीश कुमार को पिछले 35 सालों से आजमा रहे हैं। इसलिए नए दमखम के साथ चुनाव मैदान में उतरे प्रशांत किशोर के उम्मीदवारों को वह ग्रेस भी दे सकते हैं, क्योंकि राजनीतिक सिरफुटौव्वल के बिहारी मतदाता शुरू से विरोधी रहे हैं। कांग्रेस, जनता पार्टी, जनता दल, भाजपा, राजद, जदयू, लोजपा को सियासी सबक देने का कारण एक यह भी माना जाता है।

भाजपा-कांग्रेस के राष्ट्रीय सूत्रों का कहना है कि चूंकि नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव आपस में भी सांठगांठ करके सत्ता में आ जाते हैं, इसलिए इनकी रणनीति से सावधान रहने में ही राष्ट्रीय दलों की भलाई है। बिहार में क्षेत्रीय दलों की मंशा रहती है कि राष्ट्रीय दल महज उसके पिछलग्गू बने रहें। लेकिन इस बार स्थिति अलग है। राष्ट्रीय दलों के चक्रब्यूह में दोनों नेता बुरी तरह से घिर गए हैं और बार बार पुराने सम्बन्धों की दुहाई देकर अस्तित्व रक्षा की कवायद कर रहे हैं, जो काफी मुश्किल बात है।

कॉलेज कैंपस बनते जा रहे हैं चुनावी मैदान, क्या अब राजनीति के अखाड़े बन गए है विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय शिक्षा का वह केंद्र है जहां असंख्य सपने पलते और सच होते हैं। स्कूल से निकलकर विद्यार्थी अपने सपनों की नई दुनिया साथ लिए विश्वविद्यालय में प्रवेश करते है। उनके साथ उनके परिवार और समाज के सपने भी जुड़े होते हैं। विश्वविद्यालय जितना प्रतिष्ठित हो, महाविद्यालय की रैंकिंग जितनी अच्छी हो, सपने उतने ही बड़े दिखाई देते हैं। चाहे एक शिक्षक के रूप में सोचा जाए या अभिभावक के रूप में, ऐसा लगता है कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा प्राप्त करने का स्थान नहीं होता है, बल्कि यह युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण का भी केंद्र होता है।

इस व्यक्तित्व निर्माण की प्रकिया का एक पहलू चुनाव प्रक्रिया भी है। विश्वविद्यालय में छात्र संघ के चुनाव तथा महाविद्यालयों में छात्र संघों के चुनाव के माध्यम से विद्यार्थी राजनीति की व्यावहारिक जमीन का ककहरा सीखते हैं। इस सीखने की प्रक्रिया का एक अन्य पहलू शिक्षक संघों के चुनाव भी हैं, जिसमें विद्यार्थी आमतौर पर दर्शक और प्रभावित पक्ष के रूप में होते हैं। पूरी चुनाव प्रक्रिया लगभग एक महीने चलती है और इस एक महीने सभी कालेजों की शिक्षा-दीक्षा कमोबेश प्रभावित होती है।

शिक्षकों की राजनीति के अपने दांवपेच होते हैं और चाहे-अनचाहे विद्यार्थी देखकर सीखते हैं कि किन बातों को मुद्दा बनाया जा सकता है। इस प्रक्रिया में कालेज प्रशासन से अध्यापकों की लड़ाई कई बार राजनीतिक लड़ाई में बदल जाती है और असली मुद्दे पृष्ठभूमि में चले जाते हैं। ऐसा किसी एक पक्ष में नहीं होता है। सभी पक्ष किसी न किसी रूप में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए ऐसे वादे कर जाते हैं, जिन्हें खयाली पुलाव कहा जा सकता है। हालांकि सभी इसी समाज और समाज व्यवस्था का अंग हैं।

राजनीति में स्वार्थपूर्ति के लिए दोषारोपण, अतिश्योक्ति और चरित्र हनन एक सार्वजनिक तथ्य बन गए हैं। पर समस्या यह है कि राजनीति का ककहरा सीखने वाले विद्यार्थी इन शिक्षक संघों के चुनाव से सीधे-सीधे सीखते हैं। इस प्रकार शिक्षक संघ के चुनाव में फैलता जाल छात्र संघों को भी अपनी गिरफ्त में ले लेता है।

इसका सीधा असर विद्यार्थियों की उपस्थिति और पढ़ाई पर पड़ता है। जो शिक्षक महीने भर शिक्षक संघ के चुनाव में अपनी व्यस्तता की वजह से कक्षाओं से अनुपस्थित रहते हैं, वे विद्यार्थियों को चुनाव छोड़कर कक्षा में उपस्थित रहने की हिदायत कैसे दे सकते हैं। जैसे शिक्षकों की उनके चुनाव से उपस्थिति प्रभावित होती है, वैसे ही छात्र संघों के चुनाव में बच्चे कक्षाओं से बाहर प्रचार-प्रसार में लिप्त रहते हैं। यों चुनाव व्यवस्था शुरू की गई थी विद्यार्थियों में लोकतंत्र के संस्कार डालने के लिए, लेकिन पैसे और राजनीतिक प्रभाव ने छात्र संघों की चुनाव प्रक्रिया को काफी प्रभावित कर दिया है।

यह जगजाहिर हकीकत है कि कई बार विद्यार्थियों के चुनावी प्रदर्शन के कारण कालेज में प्रवेश करना भी मुश्किल हो जाता है और वे सभी विद्यार्थी एवं शिक्षक, जो इससे सीधे तौर पर न भी जुड़े हों, वे भी इससे प्रभावित होते हैं। चुनावी शोर-शराबे और गहमा-गहमी में कभी-कभी विद्यार्थी समूह आपस में भिड़ जाते हैं और पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ता है। कभी-कभी तो विद्यार्थी अपने मत से अलग मत रखने वाले शिक्षकों को निशाना बनाने से नहीं चूकते हैं। चुनाव आयोजित करना कालेज प्रशासन के लिए एक बड़ा मुद्दा रहता है।

इस प्रक्रिया में महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय की शिक्षा-दीक्षा कभी शिक्षकों के चुनाव की वजह से तो कभी विद्यार्थियों के चुनाव की वजह से प्रभावित होती रहती है। हालांकि लिंगदोह समिति ने छात्र संघों के चुनाव के नियमन के लिए कई यथोचित सुझाव दिए थे और

उनकी सिफारिशें सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्वीकृत होने के बाद सरकारी आदेशों द्वारा लागू भी की गई, लेकिन राजनीतिक यथार्थ के धरातल पर अभी भी बहुत पारदर्शिता की आवश्यकता है। खासतौर पर चुनावों के कारण एक से दो माह के शैक्षिक वातावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुए इसकी जरूरत ज्यादा महसूस होती है। एक वर्ष में एक से दो महीने का समय कम नहीं होता।

आज जब रोजगार की चुनौतियां दिनोंदिन बढ़ती जा रही हैं, केवल राजनीतिक नारेबाजी से युवाओं को रोजगार नहीं मिलने वाला। इनकी पढ़ाई शिक्षकों के लिए भी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और विद्यार्थियों को स्वयं भी इस विषय में थोड़ा संयम रखना चाहिए। उन्हें इस बात के लिए शिक्षित करने की जवाबदेही भी शिक्षकों की ही है। अगर शिक्षक संघों के चुनाव के मोहरे के तौर पर विद्यार्थियों का उपयोग होगा या शिक्षक अपने आचरण से छात्रों में संस्कार नहीं जगा सके तो सिर्फ गिरावट का रोना रोने से कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है।

कुल मिलाकर छात्र संघों के चुनाव, जो छात्रों में राजनीतिक और लोकतांत्रिक संस्कार भरने का उद्देश्य लेकर शुरू हुए थे, उनके सकारात्मक पहलुओं पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। हमारे मौलिक अधिकार और कर्तव्यों में जिस प्रकार संतुलन की अपेक्षा की जाती है, इसी प्रकार विद्यार्थियों के हित-अहित के व्यापक संदर्भ में चुनावों के नियमन की भी आवश्यकता है। इस संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन, महाविद्यालय और शिक्षक संघ तीन ऐसे महत्त्वपूर्ण पक्ष हैं, जो एक दूसरे के पूरक हैं।

छात्र संघों के चुनाव में किस प्रकार ऐसे सुधार लाए जाएं कि छात्रों में लोकतांत्रिक संस्कार भी बने और उनकी पढ़ाई-लिखाई का भी नुकसान न हो, इस पर गहन विचार की आवश्यकता है। अन्यथा अगर पहली सीढ़ी पर ही हिंसा और धन की राजनीति कार्य करने लगी तो न केवल छात्र राजनीति, बल्कि देश की राजनीतिक व्यवस्था पर भी इसके दूरगामी प्रभाव होंगे।

कॉमनवेल्थ गेम्स की वजह से वैश्विक शहर बनेगा अहमदाबाद

लेखकः राय तपन भारती, आर्थिक पत्रकार, दिल्ली

भारत ने पहली बार 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों की नई दिल्ली में मेजबानी की थी। अब दोबारा यह मौका अहमदाबाद को 2030 में मिलने जा रहा है। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स के एग्जीक्यूटिव बोर्ड ने 2030 के शताब्दी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए अहमदाबाद को मेजबान शहर के रूप में सिफारिश की है। इस निर्णय से भारत को दो दशकों बाद इस प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी मिलने की प्रबल संभावना बन गई है। अंतिम फैसला 26 नवंबर को ग्लासगो में होने वाली कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की जनरल असेंबली में होगा।

इस बार भारत ने नाइजीरिया के अबुजा शहर को पीछे छोड़ते हुए यह सिफारिश हासिल की। दोनों शहरों ने अत्यंत प्रभावशाली प्रस्ताव प्रस्तुत किए थे, लेकिन तकनीक दक्षता, एथलीट अनुभव, शासन और कॉमनवेल्थ मूल्यों के अनुरूप अहमदाबाद को तरजीह दी गई।

बीते 25 साल के दौरान गुजरात में सड़कें, बिजली आपूर्ति बेहतर हुई हैं यह सभी मानते हैं। लेकिन विकास के पैमाना- गरीबी उन्मूलन, शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य के क्षेत्र में गुजरात बहुत आगे नहीं है।

CWG के कार्यकारी बोर्ड की सिफारिश की सबसे बड़ी वजह अहमदाबाद के सरदार पटेल स्पोर्ट्स कॉम्पलैक्स के विश्व स्तरीय स्थल रहे। इसमें एक लाख 32,000 की क्षमता वाला नरेंद्र मोदी स्टेडियम के साथ ही एक उच्च स्तरीय यातायात ढांचा भी शामिल है। भारत द्वारा दिए गए प्रस्ताव में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि किन वजहों के चलते खेलों का आयोजन यहां आसान और कम खर्चीला होगा।

खेलों की मेजबानी हासिल करने के लिए भारत और गुजरात सरकार ने मिलकर कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए बहुत ही मजबूती के साथ मेजबानी का दावा पेश किया। वजह यह है कि राज्य और केंद्र दोनों ही मिलकर भारत 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी हासिल करने पर भी नजर गड़ाए हुए हैं। ऐसे में भारत का मजबूत प्रस्तुतिकरण भी एक बड़ी वजह रही, जिससे अहमदाबाद, नाइजीरिया के अबुजा शहर को पछाड़ने में सफल हो गया!

जनवरी में शुरू हुई थी तैयारी

भारत की इस विशाल यात्रा की शुरुआत जनवरी 2025 में हुई, जब गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल और एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रतिनिधियों ने कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन के वाइस प्रेसिडेंट क्रिस जेनकिंस से गांधीनगर में मुलाकात की। इस बैठक में अहमदाबाद की बोली को लेकर प्रारंभिक चर्चा हुई और यह भी स्पष्ट किया गया कि भारत 2036 मओलंपिक गेम्स की मेजबानी के लिए भी आवेदन करने का इरादा रखता है। इसके बाद, 16 फरवरी 2025 को कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन की सीईओ केटी सैडलर ने भारत के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि, 'अहमदाबाद का यह प्रयास भारत को 2036 ओलंपिक की दिशा में आगे बढ़ाने वाला एक मजबूत कदम साबित होगा।

अहमदाबाद का ढांचा मजबूत

नअहमदाबाद ने पिछले एक दशक में काफ़ी तरक्की की है। यह शहर साधारण सड़कों और इमारतों से आगे बढ़कर एक स्मार्ट भविष्य की ओर बढ़ रहा है। नए परिवहन मार्ग, तकनीक-सक्षम प्रणालियाँ और पर्यावरण-अनुकूल समाधान यहाँ लोगों के जीवन जीने के तरीके को बदल रहे हैं। ये बदलाव सिर्फ़ दिखावे तक ही सीमित नहीं हैं। ये रोज़मर्रा की ज़िंदगी को आसान, सुरक्षित और ज़्यादा कनेक्टेड बना रहे हैं।

अहमदाबाद में स्मार्ट सिटी का विकास

आखिरकार बेहतर योजना और तेज़ परियोजनाओं के साथ साकार हो रहा है। अब ध्यान सिर्फ़ विकास से हटकर स्मार्ट विकास पर केंद्रित हो रहा है। इस विकास में लोग, तकनीक और पर्यावरण शामिल हैं। आइए जानें उन बदलावों के बारे में जो शहर के भविष्य को आकार दे रहे हैं।

गुजरात में बुनियादी ढांचे का विकास

गुजरात तेज़ी से विकास कर रहा है और अहमदाबाद इसमें अग्रणी भूमिका निभा रहा है। प्रमुख परियोजनाएँ शहर को एक आधुनिक और कनेक्टेड केंद्र के रूप में आकार दे रही हैं। गुजरात में तेज़ी से हो रहे विकास को दर्शाने वाले कुछ प्रमुख विकास इस प्रकार हैं:

अहमदाबाद मेट्रो फेज़ 2

मेट्रो विस्तार के तहत 28 किलोमीटर से ज़्यादा नया ट्रैक जोड़ा जा रहा है। यह जीएनएलयू, महात्मा मंदिर और गिफ्ट सिटी जैसे स्थानों को जोड़ेगा। पूरा होने पर मेट्रो प्रतिदिन 3 लाख से ज़्यादा यात्रियों को सेवा प्रदान कर सकेगी। इससे सड़क यातायात में आसानी होगी और हज़ारों लोगों के लिए रोज़ाना यात्रा सुगम होने की उम्मीद है।

अहमदाबाद-धोलेरा एक्सप्रेसवे:

यह 109 किलोमीटर लंबा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे शहर और आगामी धोलेरा विशेष निवेश क्षेत्र के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इसका निर्माण लोगों, वस्तुओं और विचारों की तेज़ आवाजाही को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। यह एक्सप्रेसवे आवास और निवेश के लिए नए क्षेत्र भी खोल रहा है।

क्षेत्रीय रेल और माल ढुलाई गलियारे:

अहमदाबाद को नई क्षेत्रीय रेल योजनाओं का लाभ मिलेगा जो इसे सूरत और अन्य प्रमुख केंद्रों से जोड़ेगी। भीमनाथ और धोलेरा में नए रेल मार्ग सड़कों से माल ढुलाई को कम करने में मदद करेंगे। ये मार्ग यातायात को कम करेंगे, ईंधन की बचत करेंगे और उद्योगों तथा स्मार्ट शहरी विकास दोनों को बढ़ावा देंगे।

शहरों को स्मार्ट ज़ोन से जोड़ना:

अब इन परियोजनाओं को जोड़ने का तरीका अलग हो गया है। गिफ्ट सिटी, धोलेरा एसआईआर और मुख्य शहरी क्षेत्रों को एक नेटवर्क के रूप में योजनाबद्ध किया जा रहा है। सड़कों, मेट्रो और उपयोगिताओं को एक साथ काम करने के लिए डिज़ाइन किया जा रहा है। यह इस बात का संकेत है कि गुजरात में बुनियादी ढाँचे का विकास पहले से कहीं अधिक रणनीतिक है।

शहर में घूमने के बेहतर तरीके

अहमदाबाद में घूमना-फिरना अब पहले जैसा नहीं रहा। शहर की परिवहन व्यवस्था तेज़ी से बदल रही है और हर दिन और भी स्मार्ट होती जा रही है। ये सुधार निवासियों के लिए रोज़मर्रा की ज़िंदगी को आसान बना रहे हैं और जुड़े हुए इलाकों में रियल एस्टेट की दिलचस्पी बढ़ा रहे हैं।

अहमदाबाद का बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (बीआरटीएस)

अब 160 किलोमीटर से ज़्यादा की दूरी तय करता है और रोज़ाना लाखों यात्रियों को सेवा प्रदान करता है। ज़्यादातर बसें इलेक्ट्रिक या हाइब्रिड हैं, जिससे प्रदूषण कम होता है। यात्री मोबाइल ऐप्स का इस्तेमाल करके बसों के आगमन को रीयल-टाइम में ट्रैक कर सकते हैं।

शहर ने प्रमुख चौराहों पर स्मार्ट सिग्नल, सीसीटीवी कैमरे और ट्रैफ़िक सेंसर लगाए हैं। ये उपकरण भीड़भाड़ को नियंत्रित करने और प्रतीक्षा समय को कम करने में मदद करते हैं। सुरक्षित अहमदाबाद परियोजना के तहत 6,500 से ज़्यादा स्मार्ट कैमरे सक्रिय हैं। इससे सड़कें न सिर्फ़ तेज़, बल्कि सुरक्षित भी हो जाती हैं।

ङआधुनिक होता शहरङ

अहमदाबाद डिजिटल बस पास से लेकर क्यूआर कोड स्कैनर तक, पूरी तरह से कैशलेस और संपर्क-रहित यात्रा की ओर बढ़ रहा है। ये बदलाव भले ही छोटे लगें, लेकिन रोज़ाना यात्रा करने वालों के लिए ये बहुत बड़ा बदलाव लाते हैं। स्मार्ट मोबिलिटी को बढ़ावा देने वाले इलाके पेशेवरों और कामकाजी परिवारों के लिए ज़्यादा आकर्षक होते हैं।

अहमदाबाद सिर्फ़ विस्तार ही नहीं कर रहा है। यह उद्देश्य, तकनीक और बेहतर नियोजन के साथ उन्नत भी हो रहा है। और जहाँ-जहाँ शहर का विकास होता है, वहाँ रियल एस्टेट के अवसर भी बढ़ते हैं। इसका मतलब है घर खरीदारों और निवेशकों के लिए ज़्यादा विकल्प, बेहतर लोकेशन और बेहतर जीवन स्तर। मेट्रो की पहुँच, हरियाली और सुरक्षित सड़कों वाले इलाके घर मालिकों के लिए नए पसंदीदा बन रहे हैं।

अवैध वसूली का ऑडियो वायरल, जांच के निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई (प्रयागराज)। थरवई क्षेत्र के गोड़वा विद्युत सब स्टेशन पर तैनात एक संविदा कर्मी का कथित ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें वह एक विद्युत उपभोक्ता से अवैध रूप से धन की मांग करता हुआ बताया जा रहा है।जानकारी के अनुसार, मनसेता गांव निवासी मुकेश कुमार विद्युत उपभोक्ता ने मुख्य अभियंता, विद्युत वितरण खंड गंगापार प्रयागराज को एक लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया है कि सब स्टेशन पर तैनात संविदा कर्मी की मिलीभगत से क्षेत्र में जे ई थरवई विद्युत द्वारा अवैध वसूली की जा रही है।

शिकायत में कहा गया है कि उपभोक्ता से मीटर में गड़बड़ी और बिल अधिक होने पर कनेक्शन काट दिया गया उसके बाद कनेक्शन जोड़ने के लिए पैसे की मांग की गई है इसी बातचीत का ऑडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। मुख्य अभियंता ने इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच के आदेश दिए हैं और दोषी पाए जाने पर संबंधित कर्मियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। शिकायत करने वालों में से प्रमुख रूप से प्रवीण कुमार श्रीवास्तव विष्णु दुबे जयकुमार दीपक श्रीवास्तव आशुतोष अनूप तिवारी विकास पांडे उमेश साहू आदि लोग मौजूद रहे।

रामलीला की राधेश्यामी शैली ने मोहा दर्शकों का मन, 19 अक्टूबर को होगा मेले का समापन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित दीपावली शिल्प मेले की दसवीं शाम लोक-संस्कृति और भक्ति रस से सराबोर रही। शुक्रवार की सांस्कृतिक संध्या आदर्श लोक कला समिति, प्रयागराज के कलाकारों के नाम रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुअपराजिता सिंह, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी, प्रयागराज तथा आलोक कुमार, पूर्व संपादक, दैनिक जागरण एवं विशिष्ट अतिथि मंजू शर्मा, चंडीगढ़, हाईकोर्ट ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा एवं कार्यक्रम सलाहकार कल्पना सहाय ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम की शुरुआत लोक गायक प्रेमचंद्र यादव की जोशीली बिरहा प्रस्तुति 'असनवां बइठे दुल्हे रसिया' से हुई, जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके

बाद लोकगायिका ज्योति आनंद ने अपनी सुरीली आवाज़ में 'हे री सखी मंगल गावो री', 'मेरी चौखट पे चलके राम आए', 'सत्यम शिवम सुंदरम' और 'छाप तिलक सब छीनी रे' जैसे गीतों से पंडाल को भक्ति और आनंद से भर दिया।

लोक गायक रोहित कुमार चौबे ने 'गोरिया चाँद के अंगोरिया' और 'जगदंबा घर पर दियना' जैसे लोकगीतों से शाम को और भी जीवंत बना दिया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा आदर्श लोक कला समिति द्वारा प्रस्तुत'सीता स्वयंवर' कुँवर तेजभानु सिंह 'प्रिंस' ने परिकल्पना एवं निर्देशन किया था। कलाकारों ने पारंपरिक उत्तर प्रदेश की लोककला शैली रामलीला को राधेश्यामी ढंग में सजीव चित्रण किया। संवादों की स्वर-लयबद्ध प्रस्तुति और मानस की चौपाइयों की संगीतमय अभिव्यक्ति ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

दर्शकों ने श्रीराम, लक्ष्मण और जनकपुरी के दरबार के दृश्य देखकर स्वयं को मानो त्रेतायुग में अनुभव किया। मंचन के दौरान हर पात्र की भावनाओं और गायकी ने भक्ति का ऐसा वातावरण रचा, कि पूरा प्रांगण 'जय श्रीराम' के उद्घोष से गूंज उठा। हारमोनियम पर कुँवर तेजभानु सिंह, ढोलक पर रामराज पटेल एवं की-बोर्ड पर मनु मिश्रा ने साथ दिया। इस अवसर पर प्रदीप भटनागर, श्याम बिहारी गौड़, रामचंद्र श्रीमाली सहित काफ़ी संख्या में दर्शक मौजूद रहे।

इंस्टामार्ट इस दिवाली पहुंचा रहा है सिर्फ 10 मिनट में मिट्टी के दीये और मंदिर का प्रसाद

प्रयागराज। इस दिवाली भारत के अग्रणी क्विक कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म इंस्टामार्ट ने संस्कृति और समुदाय के उत्सव को आगे बढ़ाते हुए कई पहल शुरू की हैं. इनमें अयोध्या की पवित्र मिट्टी से बने दीयों की उपलब्धता (आर्ट ऑफ पूजा के सहयोग से) और मंदिर के प्रसाद की देशभर में 10 मिनट मं् डिलीवरी शामिल है।

इंस्टामार्ट ने क्राफ्टिज़न फाउंडेशन के साथ मिलकर वंचित महिलाओं, पारंपरिक कारीगरों और बौद्धिक रूप से दिव्यांग वयस्कों द्वारा बनाए गए हस्तनिर्मित दीये देशभर के उपभोक्ताओं तक पहुंचाने की पहल की है. यह कदम न केवल भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देता है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि रोशनी का यह त्योहार उन हाथों तक समृद्धि लाए जो इसे बनाते हैं. इसके साथ ही इंस्टामार्ट पर अब लिमिटेड एडिशन उपहार बॉक्सों का एक विशेष संग्रह उपलब्ध है, जिसमें आर्ट ऑफ पूजा आरंभ गिफ्ट बॉक्स, मंगल भवन गिफ्ट बॉक्स, सोल ऑफ अयोध्या गिफ्ट बॉक्स और राज अभिषेक बॉक्स शामिल हैं।

'मिशन शक्ति 5.0' अभियान : महिलाओं एवं बलिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन का संदेश देते हुए किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज व अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज तथा पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के निर्देशन एवं सहायक पुलिस आयुक्त बारा के कुशल मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत थाना बारा की मिशन शक्ति/एंटी रोमियो टीम द्वारा थाना बारा क्षेत्र अंतर्गत कुमुद लता कान्वेन्ट विद्यालय में विद्यालय के बच्चों व स्टॉफ को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व विभिन्न हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर-1090, महिला हेल्पलाइन नंबर-181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर-1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर-1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर-112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर-101 आदि के बारे में जानकारी दी गई, इसके साथ ही साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर-1930 के बारे में जागरूक किया गया ।

मिशन शक्ति टीम, थाना बारा व विद्यालय के 300 छात्र-छात्रों तथा शिक्षकगण के द्वारा बारा क्षेत्र के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण अभियान के तहत जागरुकता रैली निकाली गयी । छात्रोओं के द्वारा लगाये गये देश भक्ति व महिला शक्ति के नारों से पूरा क्षेत्र गून्जायमान हो गया ।

श्रद्धा आर्य ने रचना मिस्त्री और विजयेंद्र कुमेरिया की तारीफ करते हुए कहा करण और प्रीता की याद दिला दी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। ज़ी टीवी हमेशा से मनोरंजन को नया रूप देता आया है, भारतीय संस्कृति की सुंदरता और दर्शकों के अपने पसंदीदा किरदारों से गहरे जुड़ाव को दिल से मनाने वाले कॉन्सेप्ट्स पेश करते हुए। अपने नए ब्रांड प्रॉमिस 'आपका अपना ज़ी टीवी' के साथ, चौनल इस बार लेकर आया है एक रंगीन और दिल छू लेने वाला उत्सव - ज़ी रिश्तों का मेला, जो इस दिवाली को और भी खास बना देगा। दर्शकों को इस एपिसोड में दिखेगा जादू, जो उनके चेहरों पर मुस्कान और दिल में गर्मजोशी भर देगा। तो तैयार हो जाइए चमक, मस्ती और दिल छू लेने वाले लम्हों से भरी इस शाम के लिए! देखिए ज़ी रिश्तों का मेला - 19 अक्टूबर रात 8 बजे, सिर्फ़ ज़ी टीवी पर। यह शो शानदार परफॉर्मेंसेस, प्यारे पलों और यादगार फैन इंटरैक्शन्स से भरा हुआ है, जहां ज़ी टीवी के सितारे अपने दर्शकों के साथ रिश्तों, जज़्बातों और मनोरंजन का अनोखा जश्न मनाते नज़र आएंगे। इस पूरे सेलिब्रेशन को और भी जोशीला बना रहे हैं करिश्माई जोड़ी - श्रद्धा आर्य और जय भानुशाली, जो होस्ट के रूप में मंच पर अपने अंदाज़, ह्यूमर और एनर्जी से चार चांद लगाने वाले हैं।

कोर, में समीक्षा बैठक एवं दीपोत्सव का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज द्वारा चलने वाले 'स्वच्छता पखवाड़ा के विशेष अभियान 5.0' के अन्तर्गत कार्यालय प्रांगण में महाप्रबन्धक श्रीरामेन्द्रकुमारतिवारी, की गरिमामयी उपस्थिती में पौधा रोपण एवं मिट्टी के दिये जला कर दीपोत्सव का आयोजन किया गया।

महाप्रबन्धक एवं सभी विभागाध्यक्षों ने चल रहे 'स्वच्छता पखवाड़ा के विशेष अभियान 5.0' के तहत पर्यावरण को संरक्षित करने हेतु कार्यालय प्रांगण में प्रातः पौधा रोपण किया। तत्पश्चात सभी अधिकारियों के साथ रेल विद्युतीकरण कार्यों कि समीक्षा बैठक की। पिछले वर्ष की भाँति इस वर्ष भी कोर कार्यालय प्रांगण में दीपोत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन में सामान्य विभाग द्वारा आकर्षक रंगोली बनाई गई तथा पूरे कार्यालय को सजाया गया। महाप्रबन्धक के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ करने के उपरान्त कोर के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरे कार्यालय में दीप जला कर कार्यालय को प्रकाशमान किया।

इस अवसर पर डॉ एस. एस. नेगी-मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, हिमांशु बडोनी-वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक/मुख्य सतर्कता अधिकारी, डी.के.सिन्हा-प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर एवं उपेंद्र कुमार-मुख्य बिजली इंजीनियर सहित कोर कार्यालय के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

नाटक अ ब्रोकन चेयर का हुआ मंचन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। स्माइल चुराना द्वारा लिखित अनुवाद उमा झुनझुनवाला का नाटक अ ब्रोकन चेयर का मंचन मुट्ठीगंज के स्टूडियो थिएटर में संपन्न हुआ। नाटक का निर्देशन गौरव शर्मा द्वारा किया गया । रवि, अजीज और सुमित्रा जो कभी साथ पढ़ते और सहपाठी थे और एक-दूसरे से एक वीरान स्थान पर अचानक मिलते हैं। रवि को वहां एक टूटी हुई कुर्सी मिलती है, जिसका एक पांव नहीं था । रवि उस पांव को खोजता है। कुर्सी का पांव अजीज को मिल जाता है, दोनों की कुर्सी पर अधिकार के लिए लड़ाई होती है। तभी सुमित्रा उनसे लड़ाई खत्म करके कुर्सी खुद सौंप देने को कहती है। उस के पास भी एक टूटी हुई घड़ी जो चलती नहीं है । वो उस कुर्सी के पांव के बदले घड़ी अज़ीज़ को देने के लिए तैयार है । तीनों अपनी अपनी चीज़ों से बंधे है रवि टूटी हुई कुर्सी से अज़ीज़ कुर्सी के एक पांव से और सुमित्रा टूटी हुए घड़ी से । इस छोटी सी कहानी के जरिए मानव की जिंदगी के बीच अंतरद्वंद्व को दर्शाने की कोशिश की गई है । नाटक ' एक टूटी हुई कुर्सी '। यह नाटक मानव जीवन के अंतर्द्वंद्व और संबंधों के विभिन्न पहलुओं को दर्शाता है। इस छोटी सी कहानी के माध्यम से मानव जीवन में भौतिक चीज़ों पर अधिकार की लालसा और मानवीय रिश्तों में आने वाले उतार-चढ़ाव और जटिलताओं को गहराई से दर्शाता है। यह प्रतीकात्मक रूप से यह भी दिखाता है कि लोग किस तरह महत्वहीन वस्तुओं के लिए लड़ते हैं। नाटक में आयुष केसरवानी, स्वेता जायसवाल, हर्षित केसरवानी ने अभिनय किया संगीत संचालन हेमन्त सिंह ने किया । प्रकाश संचालन गौरव शर्मा का रहा । मंच निर्माण हर्ष राज, अभिषेक दुबे, लव कुश सरोज, शिखर चंद्रा, ऋषि गुप्ता का रहा ।

शिक्षा में प्रगति एवं विकास' को समर्पित रहा केन्द्रीय संचार ब्यूरो, लखनऊ द्वारा आयोजित किए जा रहे कार्यक्रम का चौथा दिन, प्रख्यात शिक्षाविदों ने साझा किए विचार

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने आंगनवाड़ी से लेकर यूनिवर्सिटी स्तर तक की शिक्षा का मानकीकरण किया है'-डॉ. एस. पी. सिंह

'प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी जैसी योजनाओं ने लोगों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ावा दिया है।' - डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम सिंह

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। केन्द्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), लखनऊ द्वारा डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में आयोजित पाँच दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का चौथा दिन 'शिक्षा में प्रगति एवं विकास' विषय को समर्पित रहा। आज के कार्यक्रम का शुभारंभ सीबीसी निदेशक मनोज कुमार वर्मा द्वारा मुख्य अतिथि डॉ. एस. पी. सिंह, पूर्व कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय; विशिष्ट अतिथि डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम सिंह, प्रख्यात शिक्षाविद् और डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह, उपनिदेशक, इग्नू, लखनऊ के स्वागत के साथ हुआ।

मुख्य अतिथि डॉ. एस. पी. सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने आंगनवाड़ी से लेकर यूनिवर्सिटी स्तर तक की शिक्षा का मानकीकरण किया है।' डॉ. एस. पी. सिंह ने अपने संबोधन में इस इस बात पर जोर दिया कि भारत सरकार ने प्रौद्योगिकी-संचालित विकास पर विशेष ध्यान दिया है। अंत में उन्होंने कहा, 'भारत सरकार की पिछले 11 वर्ष की योजनाओं ने यह सुनिश्चित किया है कि शिक्षा का भविष्य बहुत अच्छा हो।'

डॉ. सर्वेन्द्र विक्रम सिंह ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को 'विकसित भारत' के निर्माण की आधारशिला बताया। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि नीति की बहु-विषयक और लचीली पाठ्यक्रम संरचना छात्रों को उनकी रुचि के अनुसार विषय चुनने के लिए सशक्त बनाती है। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री

विद्यालक्ष्मी जैसी योजनाओं ने लोगों को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ावा दिया है।' सिंह ने डिजिटल शिक्षा, ऑनलाइन लर्निंग प्लेटफॉर्म्स और स्मार्ट क्लासरूम को भविष्य की आवश्यकता बताते हुए कहा कि सरकार की इन पहलों से शिक्षा समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुलभ हो रही है।

डॉ. कीर्ति विक्रम सिंह ने दूरस्थ शिक्षा और आजीवन सीखने के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा, 'युवाओं के लिए यह आवश्यक है कि वे सर्वप्रथम अपने लक्ष्य का निर्धारण करें और फिर उस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु उचित मार्ग का चयन करें।' उन्होंने बताया कि कैसे इग्नू जैसे संस्थान उन लाखों लोगों को शिक्षा और कौशल प्रदान कर रहे हैं जो पारंपरिक शिक्षा प्रणाली का हिस्सा नहीं बन पाते।

डॉ शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य संजय सिंह ने आज के कार्यक्रम के बारे में अपने संदेश में कहा कि 'शिक्षा में प्रगति एवं विकास' विषय पर वक्ताओं के द्वारा प्रकट किए गए विचार विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और महत्वपूर्ण थे। आज के कार्यक्रम में शिक्षा से संबंधित प्रदान की गई जानकारी से सभी छात्र छात्राओं को अत्यधिक लाभ होगा।

प्रश्नोत्तरी, चित्र और भाषण प्रतियोगिता में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पुरस्कार जीते। सिद्धिधाम सांस्कृतिक दल और जादूगर सुरेश एंड पार्टी के कार्यक्रमों ने आगंतुकों का मनोरंजन किया। 'ऑपरेशन सिन्दूर' और 'अमृत पीढ़ी' जैसे विषयों को दर्शाती चित्र प्रदर्शनी छात्रों और युवाओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी रही।

इस मौके पर केंद्रीय संचार ब्यूरो के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी जय सिंह, लक्ष्मण शर्मा, अमन त्रिपाठी, प्रेम सिंह नेगी, जितेंद्र पाल सिंह और विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

महाकुंभ के दौरान जारी किए गए माल वाहक प्रवेश साधनों पर टोकन सिस्टम बंद किया जाए

मंत्री नितिन अग्रवाल को दिया गया ज्ञापन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। व्यापारियों की काशी क्षेत्र की बैठक सर्किट हाउस वाराणसी में आयोजित किया गया बैठक के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री नितिन अग्रवाल रहे इस अवसर पर उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष सुनील कुमार केसरवानी व्यापारियों के समूह के साथ बैठक में शामिल हुए और उन्होंने प्रयागराज के व्यापारियों की समस्या को लेकर मंत्री नितिन अग्रवाल को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि महाकुंभ मेले के दौरान भीड़ को देखते हुए प्रयागराज जिला प्रशासन के द्वारा बाहर से आ रहे माल वाहक गाड़ी यो को शहर में प्रवेश करने को लेकर टोकन जारी किया था जो अभी तक जारी किया जा रहा है जिससे व्यापारियों को काफी दिक्कत हो रही है और माल वाहन गाड़ियों को प्रवेश को लेकर धन उगाई की जा रही है कृपया इसे तत्काल रोका जाए और कहा कि ऑनलाइन व्यापार के कारण खुदरा किराना और अन्य छोटे कारोबारियों की विक्रय शक्ति कमजोर होती जा रही है उनका व्यापार संकट में आ रहा है जिसको देखते हुए।

ऑनलाइन व्यापार पर प्रभावशाली कदम उठाया जाए जिससे कि छोटे व्यापारी का व्यापार भी चल सके मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि 20 नवंबर को रामलीला मैदान दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर व्यापारी सम्मेलन सुनिश्चित किया गया जिसकी चर्चा प्रदेश सरकार के मंत्री नितिन अग्रवाल ने किया और सम्मेलन की तैयारी पर फोकस किया बैठक में काशी क्षेत्र के 17 जिले के प्रतिनिधि शामिल हुए।

ज्ञापन सौंपने वालों में राजेश केसरवानी, राज कुमार केसरवानी, राजेंद्र गुप्ता, शिवलाल केसरवानी, किशन चंद्र जायसवाल, कमलेश केसरवानी, राजेश गुप्ता आदि रहे।

हेतापट्टी में धूमधाम से संपन्न हुआ दशहरा मेला

थरवई पुलिस की मौजूदगी में संपन्न हुआ दशहरा मेला

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। थरवई क्षेत्र के हेतापट्टी बाजार में दशहरा मेला परंपरागत रीति-रिवाजों और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। रावण दहन के साथ पूरा क्षेत्र में 'जय श्रीराम' के जयघोष गूंज उठा।मेले में भगवान राम और रावण के बीच आकर्षक युद्ध का मंचन किया गया, जिसे देखने के लिए दूर-दूर से भारी भीड़ उमड़ी। युद्ध के बाद जैसे ही रावण का पुतला दहन किया गया उपस्थित लोगों ने 'जय श्रीराम' के नारे लगाकर आकाश गुंजा दिया।

हेतपट्टी बाजार को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। रंग-बिरंगी झालरों और रोशनी से सजा हेतापट्टी बाजार देखने लायक था। दुकानदारों ने तरह-तरह की दुकानें लगाईं जिनमें घरेलू सामान, खिलौने, मिठाई, चाट, समोसे आदि की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। बच्चों ने झूले, सर्कस और खेल-खिलौनों का खूब आनंद उठाया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से वीरेंद्र सिंह, शंभू केसरवानी राम, अचल गुप्ता, एवं ग्राम प्रधान अजय कुमार मौजूद रहे कार्यक्रम में क्षेत्रीय लोगों की भारी भागीदारी रही।थरवई पुलिस की मुस्तैद मौजूदगी में पूरा आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

दीपावली पर रखें सावधानी, ज़रा-सी असावधानी बन सकती है बड़ी दुर्घटना – डॉ. मोहित जैन की जनता से अपील

स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय, प्रयागराज के बर्न यूनिट में 24 घंटे उपलब्ध है उपचार

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। दीपावली का त्योहार खुशियों और रोशनी का प्रतीक है, परंतु पटाखों के प्रयोग में थोड़ी-सी लापरवाही कभी-कभी गंभीर हादसों का रूप ले लेती है। इसी को ध्यान में रखते हुए मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के उप प्राचार्य एवं विभागाध्यक्ष (प्लास्टिक सर्जरी) डॉ. मोहित जैन ने आम जनता से अपील की है कि दीपावली पर उत्सव मनाएँ लेकिन पूरी सावधानी के साथ।

डॉ. मोहित जैन ने दी ये महत्वपूर्ण सलाहें :

1. बच्चों को अकेले पटाखे न जलाने दें, हमेशा बड़ों की निगरानी में ही जलाएँ।

2. पटाखे खुली जगह पर और ज्वलनशील वस्तुओं से दूर फोड़े।

3. नायलॉन या सिंथेटिक कपड़ों की जगह सूती कपड़े पहनें, ताकि आग का खतरा कम हो।

4. पास में पानी की बाल्टी या रेत रखें, ताकि किसी आकस्मिक घटना पर तुरंत सहायता मिल सके।

5. असफल पटाखों को दोबारा न जलाएँ, हाथ या चेहरे के पास से पटाखे न फोड़े।

6. यदि कोई जल जाए, तो तुरंत जलते हिस्से को 10-15 मिनट तक बहते पानी में रखें। टूथपेस्ट, हल्दी, घी, डिटॉल या किसी घरेलू वस्तु का प्रयोग न करें।

7. आंख में चोट लगने पर न रगड़ें, न पानी डालें, तुरंत नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें।

डॉ. जैन ने बताया कि स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय, प्रयागराज में जलने वाले मरीजों के लिए आधुनिक बर्न यूनिट 24 घंटे सक्रिय है, जहाँ प्लास्टिक सर्जरी एवं आपातकालीन चिकित्सा की पूरी व्यवस्था की गई है।

उन्होंने कहा कि 'दीपावली के अवसर पर थोड़ी सी सावधानी आपके और आपके परिवार के जीवन को सुरक्षित रख सकती है। यदि किसी प्रकार की जलन या चोट हो, तो तुरंत चिकित्सक से संपर्क करें या हेल्पलाइन 8005000168 पर सहायता प्राप्त करें।'

'दीपों का यह पर्व खुशियाँ बाँटने का अवसर है। सुरक्षित रहिए, सजग रहिए और दूसरों को भी जागरूक बनाइए।'

भिवंडी की आशा वर्करों का मनपा के खिलाफ तीव्र आंदोलन

चार माह से नहीं मिली तनख्वाह, दिवाली भत्ता भी रोका गया

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी-निजामपुर महानगर पालिका क्षेत्र की आशा वर्कर महिलाओं ने अपने मानधन और भत्ते की मांग को लेकर शुक्रवार को तीव्र आंदोलन शुरू किया। पिछले चार से पाँच महीनों से वेतन न मिलने और दिवाली भत्ता रोके जाने से नाराज आशा वर्करों ने मनपा प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उनका कहना था कि वे दिन-रात जनता की सेवा में जुटी रहती हैं, लेकिन बदले में उन्हें उनका मेहनताना तक नहीं मिल रहा।आंदोलन के दौरान आशा वर्करों ने बताया कि वे गर्भवती महिलाओं की डिलीवरी से लेकर बीमार मरीजों की सहायता तक हर काम करती हैं। आधी रात को कॉल आने पर भी सेवा देने के लिए तैयार रहती हैं। बावजूद इसके त्यौहार के समय भी उन्हें मानधन और बोनस नहीं दिया जा रहा, जिससे उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति पर असर पड़ रहा है।एक आशा वर्कर ने कहा,

'हर साल हमें दिवाली से पहले आंदोलन करना पड़ता है। सेवा करने वालों को अगर इसी तरह अपने अधिकारों के लिए सड़क पर उतरना पड़े, तो यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।'

वर्करों ने तकनीकी समस्याओं की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उनका कहना था कि पुराने मोबाइल फोनों के कारण ऑनलाइन डेटा भरने और स्वास्थ्य रिपोर्ट दर्ज करने में दिक्कतें आती हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार उन्हें नया मोबाइल या टैबलेट उपलब्ध कराए ताकि कामकाज सुचारू रूप से चल सके। बाद में आंदोलन कर रही आशा वर्करों का शिष्टमंडल, आशा वर्कर आंदोलन सचिव भगवान दवणे के नेतृत्व में, मनपा आयुक्त अनमोल सागर से मिला। जहां सभी मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई और आयुक्त के आश्वासन के बाद आंदोलन फिलहाल समाप्त कर दिया गया।

'मानधन का मामला आज ही सुलझा दिया जाएगा' - संदीप गाड़ेकर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी

आंदोलन के बाद मनपा के मुख्य चिकित्सा अधिकारी संदीप गाड़ेकर ने बताया कि प्रशासन ने इस मुद्दे को गंभीरता से लिया है। 'आशा वर्करों के मानधन का भुगतान आज ही कर दिया जाएगा। वेतनवृद्धि (इंक्रीमेंट) का प्रस्ताव पहले ही प्रशासन को भेजा गया है, जिसे जल्द लागू किया जाएगा,' उन्होंने कहा।

गाड़ेकर ने यह भी बताया कि जिस तरह स्वास्थ्य सेवाओं में डिजिटल कामकाज बढ़ा है, उसी तरह शासन की ओर से जल्द ही आशा वर्करों को टैबलेट भी उपलब्ध कराए जाएंगे। उनके इस बयान से आंदोलनरत वर्करों में कुछ हद तक राहत देखने को मिली।

आरएसएस पर बैन लगाने को लेकर एमपी में सियासी तूफान, कांग्रेस बोली- सरदार पटेल ने भी लगाया था बैन

भोपाल। **(एजेंसी)**। कर्नाटक सरकार द्वारा सरकारी परिसरों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों पर रोक लगाने के फैसले ने अब मध्य प्रदेश की सियासत को भी गरमा दिया है। कांग्रेस ने इस फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि 'जब महात्मा गांधी की हत्या हुई थी, तब भी सरदार पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था।' वहीं, बीजेपी ने पलटवार करते हुए कहा कि 'संघ अब राष्ट्रव्यापी संगठन है, उस पर किसी भी तरह का बैन असंभव है।'

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि 'जब महात्मा गांधी की हत्या हुई थी, तब सरदार वल्लभभाई पटेल ने आरएसएस पर प्रतिबंध लगाया था। कर्नाटक में भी आज वैसी ही परिस्थितियां हैं। इसलिए वहां की सरकार ने सही निर्णय लिया है।' पीसी शर्मा ने आगे कहा कि अगर कोई सरकारी कर्मचारी आरएसएस की शाखाओं में जाता है, तो वह 'विचारधारा से प्रभावित' हो जाता है और यह प्रशासनिक निष्पक्षता के खिलाफ है।

इस बयान पर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि 'इंदिरा गांधी ने भी इमरजेंसी लगाकर देख लिया था। संघ अब एक राष्ट्रव्यापी सामाजिक संगठन बन चुका है। उस पर किसी भी प्रकार से बैन नहीं लगाया जा सकता। कांग्रेस प्रयोग करके देख ले, असफलता ही हाथ लगेगी।'

कर्नाटक सरकार ने हाल ही में सरकारी स्कूल और कॉलेज परिसरों में आरएसएस की शाखाओं और गतिविधियों पर रोक लगाने का नियम लाने की घोषणा की है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और मंत्री प्रियंक खरगे ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी थी। प्रियंक खरगे ने मुख्यमंत्री सिद्दारमैया से आग्रह किया था कि वह सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को आरएसएस या अन्य वैचारिक संगठनों की गतिविधियों में शामिल होने से रोकने के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी करें। कर्नाटक के फैसले के बाद अब मध्य प्रदेश में भी राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। जहां कांग्रेस आरएसएस पर विचारधारात्मक प्रभाव का आरोप लगा रही है, वहीं बीजेपी इसे 'संघ विरोधी मानसिकता' करार दे रही है।

प्रदेश में एसपी नेता की सगाई पर महिला का हंगामा

घर में घुसकर बोली-3 साल से मेरे साथ रिश्ते में, कैसे कर सकता है शादी; 2 करोड़ वसूलने का भी आरोप

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में मेरठ के समाजवादी पार्टी के एक नेता और बुलंदशहर निवासी कांग्रेस नेता की रिंग सेरेमनी का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। दोनों नेताओं की सगाई की तस्वीरें सामने आने के बाद को कस्बे में हंगामा मच गया। बताया गया कि एक विवाहित महिला सपा नेता के घर के बाहर पहुंची और सड़क पर ही हाईवोल्टेज ड्रामा शुरू कर दिया। महिला का आरोप है कि सपा नेता से उसके तीन साल से प्रेम-संबंध थे। इस दौरान नेता ने उससे करीब दो करोड़ रुपये भी ऐंठ लिए। अब सपा नेता ने दूसरी महिला नेता से सगाई कर उसे धोखा दिया है।

इस मामले में सपा नेता ने सफाई देते हुए कहा कि ठेकेदारी और लेन-देन के एक पुराने विवाद के चलते उनके खिलाफ साजिश रची गई है। यह पूरा विवाद उसी का हिस्सा है। उन्हें बदनाम करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने कहा कि संबंधित महिला शादीशुदा है और दो बच्चों की मां हैं। उनके साथ किसी भी तरह के अवैध संबंध की बात पूरी तरह झूठी है। सपा नेता ने आगे बताया कि उनकी शादी नवंबर में होगी और दिसम्बर में मेरठ में रिसेप्शन है। ये शादी पूरे विधि-विधान और घरवालों और रिश्तेदारों की मौजूदगी में होगी।

वृंदावन : राधारानी के परम भक्त संत प्रेमानंद महाराज आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। संत सोशल मीडिया पर छाए रहते हैं। वे अपने सत्संग के माध्यम से लोगों को सांसारिक और आध्यात्मिक जीवन का ज्ञान देते हैं। अक्सर, प्रेमानंद महाराज से सत्संग के बाद श्रद्धालु अपनी तमाम तरह की समस्याओं को लेकर सवाल पूछते हैं, जिसका संत बहुत ही सहजता से उत्तर देते हैं।

कर्मचारियों ने की तत्काल कार्रवाई की मांग

भिवंडी महानगरपालिका में भ्रष्टाचार व अत्याचार की गंदगी उजागर

प्रभारी मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक जयवंत सोनवणे पर गंभीर आरोप

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी महानगरपालिका के स्वच्छता विभाग में भ्रष्टाचार और मनमानी का एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। प्रभारी मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक जयवंत मुरलीधर सोनवणे पर कर्मचारियों से गाली-गलौज, मानसिक उत्पीड़न, वसूली और पद का दुरुपयोग करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इस मामले में समीर हनीफ पटेल, निवासी मिल्लतनगर भिवंडी, ने महानगरपालिका प्रशासक तथा आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से) को विस्तृत शिकायत पत्र सौंपते हुए तत्काल प्रशासनिक कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, जयवंत सोनवणे स्वच्छता विभाग के अंतर्गत लगभग 1830 सफाई कर्मचारियों की निगरानी करते है। लेकिन वे अपने पद का दुरुपयोग करते हुए कर्मचारियों के साथ अपमानजनक भाषा का प्रयोग करते हैं, गालियां देते हैं और उनसे पैसों की मांग करते हैं। बताया गया है कि उनके इस रवैये के कारण कई कर्मचारी मानसिक रूप से परेशान हैं और कुछ ने आत्महत्या जैसी धमकियां भी दी है। महिला स्वच्छता निरीक्षकों ने भी सोनवणे पर अभद्र भाषा और अनुचित व्यवहार के आरोप लगाए हैं। शिकायत में कहा गया है कि उनके डर और दबाव के कारण महिलाएं कार्यस्थल पर असुरक्षित महसूस करती है और विभाग में असंतोष का माहौल बना हुआ है। यह कोई पहला मौका नहीं है जब जयवंत सोनवणे विवादों में घिरे हों। वर्ष 2021 में तत्कालीन आयुक्त पंकज आशिया (भा.प्र.से) ने उन पर लगे गंभीर आरोपों के चलते उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित किया था। उस समय भी उन पर सफाई कामगारों से जबरन वसूली और मानसिक उत्पीड़न के आरोप सिद्ध हुए थे। नई शिकायत में सोनवणे पर कई वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं। इनमें सफाई कामगारों से दबाव डालकर पैसों की वसूली, कार्यालय के रिकॉर्ड में गलत विवरण दर्ज करना, प्लास्टिक कचरा उठाव के नाम पर ठेकेदारों से वसूली, दैनिक सफाई रिपोर्ट में झूठी जानकारी देना, वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में अनुपस्थित रहना, नगरसेवकों के कामों में बाधा डालना, कर्मचारियों के रजिस्टर में फर्जी हस्ताक्षर करना और कचरा गाड़ियों को बंद कराकर विवाद खड़ा करना शामिल है। इसके साथ ही आरोप है कि सोनवणे ने अपने पद का राजनीतिक दबाव बनाकर कई मामलों को दबा दिया है। शिकायत में कहा गया है कि जब कर्मचारी शिकायत करते हैं तो वे उन पर दबाव बनाकर शिकायत वापस लेने के लिए मजबूर करते है। शिकायतकर्ता समीर पटेल ने कहा कि जयवंत सोनवणे का रवैया लंबे समय से भ्रष्टाचारपूर्ण और अत्याचारी रहा है। वे कर्मचारियों को डराकर और धमकाकर काम करवाते हैं। प्रशासन को चाहिए कि उन्हें तत्काल उनके पद से हटाया जाए और उनके खिलाफ विशेष जांच समिति गठित की जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हो।शिकायत के साथ निलंबन आदेश की प्रति और मुंबई में हुए समान प्रकरण के संदर्भ दस्तावेज भी संलग्न किए गए हैं। भिवंडी महानगरपालिका प्रशासन ने अब तक इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन कर्मचारियों में न्याय और कार्रवाई की उम्मीदें बढ़ गई है।

प्रदेश दलित लिंचिंग पर गरमाई सियासत, राहुल गांधी का आरोप- सरकार परिवार को धमका रही है

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपने निर्वाचन क्षेत्र रायबरेली में लिंच किए गए दलित व्यक्ति हरिओम वाल्मीकि के परिवार से मुलाकात की। परिवार से मिलने के बाद, कांग्रेस नेता ने एक बड़ा दावा करते हुए कहा कि सरकार ने पीड़ित परिवार को उनसे मिलने से मना किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी 'परिवार को हर संभव मदद देने की पूरी कोशिश करेगी', और कहा कि 'देश में जहाँ भी दलितों पर अत्याचार होगा, कांग्रेस वहाँ मौजूद रहेगी और हम हर संभव मदद करेंगे और न्याय के लिए लड़ेंगे।' वाल्मीकि (40) की कथित तौर पर ग्रामीणों ने 2 अक्टूबर की रात लगभग 1 बजे एक रात्रि जागरण के दौरान चोर समझकर पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। यह अफवाह थी कि एक गिरोह चोरी के लिए घरों पर निगरानी रखने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा है।

मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, गांधी ने आरोप

लगाया कि उत्तर प्रदेश सरकार परिवार को धमका रही है और उन्हें उनसे न मिलने का निर्देश दिया है।

कांग्रेस नेता ने कहा, 'परिवार ने कोई अपराध नहीं किया है। उनके खिलाफ अपराध हुआ है और ऐसा लगता है कि वे ही अपराधी हैं। उन्हें घर से बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा है। उन्हें धमकाया जा रहा है।' उन्होंने आगे कहा, 'परिवार ने मुझे बताया कि सरकारी अधिकारियों ने परिवार को धमकाया है और मुझसे न मिलने का निर्देश दिया है।'

उन्होंने परिवार के सामने आने वाली बाधाओं पर प्रकाश डाला, जिसमें सर्जरी का इंतज़ार कर रही बेटी की चिकित्सा देखभाल भी शामिल है। उन्होंने कहा कि सरकार ने उन्हें पूरी तरह से बंद कर दिया है। गांधी ने कहा, 'देश भर में दलितों पर अत्याचार, हत्याएं और बलात्कार हो रहे हैं। मैं मुख्यमंत्री से कहना चाहता हूँ कि उन्हें न्याय मिलना चाहिए। उनका सम्मान किया जाना चाहिए। अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए और उन्हें संरक्षण नहीं दिया जाना चाहिए।'

यहाँ तक कि प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी एक्स से कहा कि कांग्रेस पार्टी देश भर में न्याय की लड़ाई में साथ देगी। उन्होंने पोस्ट किया हरिओम वाल्मीकि जी के परिवार ने कहा है कि सरकार ने उन्हें राहुल गांधी से न मिलने की धमकी दी थी। लेकिन यह महत्वपूर्ण नहीं है। ज़रूरी बात यह है कि इस अपराध को अंजाम देने वालों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। हमारा प्रयास हरिओम जी के परिवार की हर संभव मदद करना है। देश में जहाँ भी दलितों पर अत्याचार होगा, कांग्रेस पार्टी वहाँ खड़ी रहेगी और न्याय के लिए लड़ेगी।

आंगनबाड़ी में 69, 000 पदों पर होगी भर्ती, सीएम योगी ने भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाने के दिए निर्देश

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के 69197 पदों पर जल्द भर्ती शुरू करने के निर्देश दिए है। मुख्य सचिव ने बृहस्पतिवार को विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि समय सारणी तय करें जिससे सीएम योगी की मंशा के अनुरूप लोगों को रोजगार दिया जा सके । मुख्य सचिव ने जिलेवार भर्ती के लिए डीएम की अध्यक्षता में समिति गठित करने के बाद ही भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है।

आप को बता दें कि प्रदेश सरकार आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका पदों पर 69, 000 रिक्तियों पर भर्ती होनी है इसमें 7, 952 पद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और 61, 254 पद सहायिका के लिए निर्धारित किए गए हैं।

इस भर्ती की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए सभी जिलों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार निदेशालय ने जिलों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि रिक्त पदों का पूरा विवरण जल्द पोर्टल पर अपलोड किया जाए। इसके लिए विशेष वेबसाइट upanganwadi bharti.in बनाई गई है, जहां अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद के लिए इंटरमीडिएट पास महिला आवेदन कर सकती हैं, जबकि सहायिका पद के लिए न्यूनतम 5वीं पास होना अनिवार्य है। आवेदकों की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। हालांकि आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को अधिकतम आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

भर्ती में सामाजिक दृष्टि से वंचित वर्ग की महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाली विधवा, तलाकशुदा और परित्यक्ता महिलाएं चयन प्रक्रिया में सबसे पहले शामिल की जाएंगी। ग्राम पंचायत स्तर पर योग्य उम्मीदवार न मिलने पर चयन न्याय पंचायत स्तर से किया जाएगा।

इस भर्ती को महिलाओं के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में सरकार का बड़ा कदम माना जा रहा है। हजारों रिक्तियों के चलते लाखों परिवारों को रोजगार का अवसर मिलेगा। नोटिफिकेशन जारी होने के बाद आवेदन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और उम्मीदवार सभी दिशा-निर्देश आधिकारिक पोर्टल से देख सकेंगे।

दीवाली से पहले सीएम योगी का बड़ा ऐलान

28 लाख कर्मचारियों को दिया 3 फीसदी डीए/डीआर बढ़ोतरी का तोहफा

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने दीपावली से पहले प्रदेश के करीब 28 लाख कर्मचारियों और पेंशनरों को बड़ा उपहार दिया है। सरकार ने महंगाई भत्ता और महंगाई राहत की दरों में 3इ की वृद्धि का ऐलान किया है। इसका सीधा फायदा 16.35 लाख कर्मचारियों और 11.52 लाख पेंशनरों व पारिवारिक पेंशनरों को होगा। ये नई दरें अब 1 जुलाई 2025 से 58 इ की दर से लागू होंगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि बढ़े हुए महंगाई भत्ते और राहत का भुगतान अक्टूबर 2025 से नकद रूप में किया जाए। जुलाई 2025 से सितंबर 2025 तक के तीन महीने का एरियर भी नवंबर 2025 में नकद दिया जाएगा। एरियर और अक्टूबर माह के नकद भुगतान के कारण नवंबर 2025 में राज्य सरकार पर कुल ?795 करोड़ का अतिरिक्त नकद व्यय भार आएगा। मार्च 2026 तक राज्य सरकार पर ?1960 करोड़ का अतिरिक्त व्यय भार आएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार अपने कर्मचारियों और पेंशनरों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, 'महंगाई के प्रभाव से उन्हें राहत पहुँचाना और उनके जीवनस्तर में सुधार करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।' उन्होंने इस फैसले को लाखों कर्मचारियों और पेंशनरों के प्रति 'संवेदना और सम्मान का प्रतीक' बताया। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि दीपावली का यह उपहार उनके जीवन में नई ऊर्जा, प्रसन्नता और समृद्धि लेकर आएगा।

ट्रेन के अंदर बवाल! टीटीई पर महिला ने फेंकी गर्म चाय, यात्रियों में अफरा-तफरी

लखनऊ **(एजेंसी)**। राजधानी लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पर गुरुवार दोपहर दून एक्सप्रेस (13009) में बड़ा बवाल हो गया। हावड़ा से हरिद्वार जा रही इस ट्रेन के स्लीपर कोच में सीट विवाद को लेकर महिलाओं और टीटीई के बीच झगड़ा इतना बढ़ गया कि मामला हाथापाई तक पहुंच गया। पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के मुताबिक, स्लीपर कोच में कुछ महिलाएं जनरल टिकट लेकर बिना रिजर्वेशन के यात्रा कर रही

थीं। जब टीटीई दिवाकर मिश्रा ने उन्हें सीट खाली करने को कहा, तो महिलाओं ने विरोध शुरू कर दिया। बात बढ़ी तो उन्होंने टीटीई से धक्का-मुक्की कर दी। टीटीई ने आरोप लगाया है कि महिलाओं ने उनके चेहरे पर गर्म चाय फेंकी, शर्ट फाड़ दी और गले से सोने की चेन तोड़ ली। इस दौरान कोच में अफरा-तफरी मच गई। घटना दोपहर करीब दो बजे की है, जब ट्रेन चारबाग स्टेशन पर खड़ी थी। अन्य यात्रियों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। हालांकि तब तक किसी यात्री ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो अब वायरल हो रहा है।

टीटीई दिवाकर मिश्रा ने चारबाग जीआरपी थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जीआरपी और आरपीएफ को स्टेशन पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि दून एक्सप्रेस हावड़ा से ऋषिकेश तक चलती है और चारबाग इसका प्रमुख स्टॉपेज है। अधिकारियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे हमेशा वैध टिकट से यात्रा करें और किसी भी विवाद की स्थिति में रेलवे सुरक्षा बल या जीआरपी की मदद लें।

कैंसर को हराकर मैदान में लौटा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर बोले- अब हर गेंद मेरे लिए जिंदगी का तोहफा है

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर निक मैडिन्सन ने जिंदगी की सबसे कठिन लड़ाई जीत ली है। 33 वर्षीय इस बल्लेबाज ने खुलासा किया कि उन्हें इस साल की शुरुआत में वृषण (टेस्टिक्युलर) कैंसर हुआ था, जिसके बाद उन्होंने कीमोथेरेपी करवाई। लेकिन अब वे पूरी तरह से स्वस्थ हैं और दोबारा क्रिकेट मैदान पर लौट आए हैं। मैडिन्सन ने तीन टेस्ट और छह वनडे मैचों में ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व किया है और फिलहाल न्यू साउथ वेल्स टीम का हिस्सा हैं। मार्च में टीम से बाहर होने के कुछ ही समय बाद उन्हें इस बीमारी का पता चला था, जिसने उनकी जिंदगी को झकझोर दिया।

मैडिन्सन ने बताया, 'जब डॉक्टरों ने कहा कि मुझे कीमोथेरेपी करनी पड़ेगी, तो यह सुनकर मैं अंदर से हिल गया था। कैंसर मेरे पेट के लिम्फ नोड्स और फेफड़ों तक फैल चुका था। यह मेरे जीवन का सबसे कठिन दौर था।' उन्होंने बताया कि कीमो के शुरुआती हफ्तों में उन्होंने शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर बड़ी चुनौती झेली। उन्होंने कहा, 'दूसरे या तीसरे हफ्ते तक मेरे सारे बाल झड़ गए थे। स्टेरॉयड की वजह से मैं रातभर जागता रहता था। थकान इतनी ज़्यादा थी कि लगता था बस सोता ही रहूँ। वो नौ हफ्ते मेरी जिंदगी के सबसे लंबे और भारी दिन थे।'

कीमोथेरेपी के दौरान मैडिन्सन की पत्नी बियांका उनके दूसरे बच्चे के साथ गर्भवती थीं। इस दौर को याद करते हुए उन्होंने कहा, 'यह हमारे परिवार के लिए बेहद कठिन समय था। लेकिन बियांका ने मुझे टूटने नहीं दिया। उन्होंने मुझे लगातार मजबूत बने रहने के लिए प्रेरित किया।' मैडिन्सन ने बताया कि बीमारी के बावजूद उन्हें अपनी पत्नी और परिवार से जो प्यार और सपोर्ट मिला, वही उनकी असली ताकत बना।अब जब मैडिन्सन पूरी तरह से स्वस्थ हैं, उन्होंने क्रिकेट में वापसी की शुरुआत न्यू साउथ वेल्स के साथ ट्रेनिंग से की है। उन्होंने कहा, 'यह जानना डरावना था कि बीमारी इतनी जल्दी फैल गई थी। लेकिन अब मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूँ कि मैंने सही समय पर जाँच करवाई।' उन्होंने सभी युवाओं को संदेश देते हुए कहा, 'अगर आपको अपने शरीर में कुछ असामान्य लगे, तो तुरंत जांच कराएं। जल्द पहचान ही सबसे बड़ा इलाज है।'

ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट में अपनी जगह फिर से बनाने के लिए मैडिन्सन ने ट्रेनिंग शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि अब उनका लक्ष्य है क्रिकेट को फिर से अपनी पहचान बनाना और इस बार 'नई ऊर्जा और नए नजरिए' के साथ खेलना।

रोहित और कोहली को हर मैच में आजमाना बेवकूफी होगी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से पहले बोले अगरकर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर ने शुक्रवार को कहा कि सीनियर भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा का 'आकलन' होगा लेकिन प्रत्येक मैच में उन्हें आजमाना 'बेवकूफी' होगी। रोहित और कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले के साथ 7 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के करीब हैं और इस तरह की अटकलें हैं कि दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले 2027 विश्व कप से पहले इन दोनों पूर्व कप्तानों के प्रदर्शन की प्रत्येक श्रृंखला में समीक्षा होगी।

अगरकर ने कहा, 'प्रत्येक मैच में उन्हें आजमाना बेवकूफाना होगा। जब वे खेलना शुरू कर देंगे तो उनका आकलन होगा लेकिन उनकी जगह खतरे में नहीं है।' कुछ हफ्ते पहले शुभमन गिल को नया एकदिवसीय कप्तान घोषित करने के बाद अहमदाबाद में कही गई अपनी बात को दोहराते हुए अगरकर ने एक बार फिर उस टूर्नामेंट के लिए टीम के चयन पर अपनी प्रतिबद्धता से परहेज किया जो अभी दो साल दूर है।

इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, 'इसका मतलब यह नहीं है कि अगर वे ऑस्ट्रेलिया में रन नहीं बनाते हैं तो उन्हें टीम से बाहर कर दिया जाएगा और इसी तरह अगर वे ऑस्ट्रेलिया में तीन शतक बनाते हैं तो उन्हें 2027 विश्व कप के लिए चुना जाएगा।' अगरकर ने यह भी स्पष्ट किया कि कोहली और रोहित ने टेस्ट क्रिकेट छोड़ने का फैसला स्वयं किया था और चयन समिति उनके अनुभव से खुश होती। उन्होंने कहा, 'अगर कोई जगह होती जहां हमें अनुभव की जरूरत होती तो वह इंग्लैंड होता। दोनों दिग्गज खिलाड़ी हैं और उन्होंने हमारे से संपर्क किया था। और एक बार जब उन्होंने फैसला कर लिया तो आपको उनके फैसले का सम्मान करना होगा।'

अगरकर ने यह भी स्पष्ट किया कि मोहम्मद शमी को इंग्लैंड श्रृंखला के लिए इसलिए नहीं चुना गया क्योंकि वह फिट नहीं थे और पिछले छह से आठ महीनों में उनकी सामान्य मैच फिटनेस ठीक नहीं रही। उत्तराखंड के खिलाफ बंगाल के रणजी ट्रॉफी मैच से पहले शमी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी एकदिवसीय मुकाबलों के लिए नजरअंदाज किए जाने पर नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि अगर वह रणजी ट्रॉफी के लिए फिट हैं तो 50 ओवर का क्रिकेट भी खेल सकते थे। अगरकर ने कहा, 'अगर शमी यहां होते तो मैं उन्हें जवाब देता। अगर वह फिट हैं तो हमारे पास शमी जैसा गेंदबाज क्यों नहीं है? मैंने उनसे कई बार बात की है। पिछले छह से आठ महीनों में हमें पता चला कि वह फिट नहीं थे। वह इंग्लैंड दौरे के लिए चुने जाने के फिट नहीं थे।'

रूस से भारत का कच्चा तेल आयात बढ़ा तीन महीने की गिरावट पर लगा ब्रेक

मॉस्को **(एजेंसी)**। भारत ने अक्टूबर के पहले पखवाड़े में रूस से कच्चे तेल का आयात बढ़ा दिया है, जिससे जुलाई से सितंबर तक जारी तीन महीने की गिरावट थम गई है। व्यापार से जुड़े आंकड़ों के अनुसार, त्योहारों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए भारतीय रिफाइनरियां पूरी क्षमता से काम कर रही हैं।

जून में रूस से भारत का तेल आयात 20 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) था, जो सितंबर में घटकर 16 लाख बीपीडी रह गया था लेकिन अक्टूबर के शुरुआती आंकड़ों में सुधार के संकेत हैं। यूराल समेत रूसी ग्रेड के तेल की आपूर्ति में तेजी आई है, जिसे पश्चिमी देशों की घटती मांग और आकर्षक छूटों ने समर्थन दिया है।

वैश्विक विश्लेषण कंपनी केप्लर के मुताबिक, अक्टूबर में भारत का आयात करीब 18 लाख बैरल प्रतिदिन रहा, जो पिछले महीने की तुलना में लगभग 2.5 लाख बैरल ज्यादा है। हालांकि कंपनी ने कहा है कि ये आंकड़े अस्थायी हैं और आगे संशोधित हो सकते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी तेल आयात रोकने पर सहमति जताई है। इस पर भारत ने सफाई देते हुए कहा कि ऐसा कोई समझौता नहीं हुआ है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया कि 'रूसी तेल भारत की ऊर्जा जरूरतों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।'

केप्लर के मुख्य शोध विश्लेषक सुमित रिटोलिया के अनुसार, ट्रंप का बयान किसी नीतिगत बदलाव की बजाय 'व्यापारिक दबाव रणनीति' का हिस्सा लगता है। उन्होंने कहा कि आर्थिक और रणनीतिक दृष्टि से रूस भारत की ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख स्रोत बना रहेगा।

टेम्बा बावुमा भारत दौरे के लिए दक्षिण अफ्रीका ए टीम में शामिल

जोहान्सबर्ग **(एजेंसी)**। दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा को इस महीने के अंत में होने वाले भारत दौरे के लिए देश की ए टीम में शामिल किया गया है ताकि 14 नवंबर से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले परिस्थितियों का जायजा लिया जा सके। बावुमा पिंडली की चोट से जूझ रहे हैं और पाकिस्तान के खिलाफ चल रही टेस्ट सीरीज में नहीं खेल पाए थे और पूरी तरह से ठीक होने के लिए उन्हें अगले वनडे मैच के लिए भी टीम में नहीं चुना गया है।

बावुमा को ए टीम में शामिल करने से न केवल उन्हें टीम में वापसी करने में मदद मिलेगी, बल्कि शुभमन गिल और उनकी टीम के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले भारतीय परिस्थितियों के अनुकूल होने में भी मदद मिलेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, 'वह बेंगलुरु में खेले जाने वाले दो प्रथम श्रेणी मैचों में से दूसरे मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे।'

दक्षिण अफ्रीका 19 दिसंबर को समाप्त होने वाले पूरे दौरे के दौरान दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा। बल्लेबाज मार्कस एकरमैन चार दिवसीय टीम का नेतृत्व करेंगे जिसमें जुबैर हमजा और बल्लेबाज प्रेनेलन सुब्रयान भी शामिल हैं, जो दोनों वर्तमान में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट टीम का हिस्सा हैं। दो चार दिवसीय मैच 30 अक्टूबर से 9 नवंबर तक बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जाएंगे। दक्षिण अफ्रीका ए टीम 13 से 19 नवंबर तक राजकोट में भारत ए के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच भी खेलेगी।

शेयर बाजार में दिवाली जश्न! सेंसेक्स-निफ्टी ने किया निवेशकों को मालामाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिवाली से पहले भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखने को मिल रही है। लगातार तीसरे दिन सेंसेक्स और निफ्टी दोनों इंडेक्स रिकॉर्ड स्तरों पर पहुंच गए। सेंसेक्स 484 अंकों की छलांग लगाकर 83, 952 पर पहुंच गया। जबकि निफ्टी 124 अंकों की तेजी के साथ 25, 709 पर बंद हुआ।

विदेशी निवेशकों ने लगातार खरीदारी से बाजार में नई जान फूंक दी है। गुरुवार को एफआईआईएस ने 997 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की। पिछले 8 में से 6 दिन विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में निवेश किया है, जिससे कुल 4, 300 करोड़ रुपये से अधिक की पूंजी आई है। इस कदम से लिक्विडिटी और निवेशकों का भरोसा दोनों बढ़े हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतें 0.25इ गिरकर 60.94 डॉलर प्रति बैरल पर आ गईं। इससे भारत में महंगाई का दबाव घटा और कंपनियों का मुनाफा बढ़ने की उम्मीद जगी। खासकर पेंट सेक्टर (एशियन पेंट्स, बर्जर, केनसाई नेरोलक) के शेयरों में 6इ तक की तेजी आई है। भारतीय रुपया 21 पैसे मजबूत होकर 87.75 प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया। डॉलर इंडेक्स की कमजोरी और आरबीआई के हस्तक्षेप से रुपए को सपोर्ट मिला है। मजबूत रुपया विदेशी निवेशकों के भरोसे को बढ़ाता है और इंपोर्ट लागत घटाता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, एशियन पेंट्स और कई बड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी से सेंसेक्स को मजबूत सपोर्ट मिला। बड़ी कंपनियों में तेजी आने से निवेशकों का भरोसा और सेंटीमेंट दोनों बेहतर हुआ है। बैंक निफ्टी ने 57, 651 का नया रिकॉर्ड स्तर छू लिया– जो मार्च 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के अच्छे तिमाही नतीजों की उम्मीद से बैंकिंग शेयरों में भारी खरीदारी हो रही है।

विदेशी निवेशकों की वापसी ने शेयर बाजार में जोश, मार्केट कैप 467 लाख करोड़ रुपए पार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। विदेशी निवेशकों की वापसी, भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर बढ़ती उम्मीद और कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों की संभावनाओं से भारतीय शेयर बाजार में फिर जोश लौट आया है। बीएसई में लिस्टेड सभी कंपनियों का कुल मार्केट कैप 467 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया, जो पिछले साल के रिकॉर्ड हाई से केवल 2.3इ नीचे है।

आज सुबह 11:30 बजे सेंसेक्स 0.80इ बढ़कर 84, 125 पर और निफ्टी50 180 अंकों की बढ़त के साथ 25, 770 रुपए पर कारोबार कर रहा था। अक्टूबर के पहले पखवाड़े में ही मार्केट कैप में करीब 16 लाख करोड़ रुपए का इजाफा हुआ।

मार्केट कैप में यह वृद्धि केवल कुछ चुनिंदा शेयरों में बढत की वजह से नहीं आई है, बल्कि बड़े-छोटे सभी शेयरों ने इसमें योगदान दिया है। सेंसेक्स और निफ्टी, दोनों ने चार महीने के उच्च स्तर को छू लिया है।

विश्लेषकों का कहना है कि फिलहाल बाजार में तेजी का मूड कायम है लेकिन ओवरबॉट स्थिति के चलते कुछ समय के लिए रेंज-बाउंड ट्रेडिंग संभव है। सेंसेक्स के सपोर्ट लेवल 25, 500-25, 400 और निफ्टी के 83, 200-82, 900 हैं, जबकि रेसिस्टेंस क्रमशः 84, 000 और 25, 800 के आसपास है।

श्रेयस ने झटके 8 विकेट, सकारिया और डोडिया की साझेदारी ने सौराष्ट्र को मिली बढ़त

राजकोट **(एजेंसी)**। कर्नाटक के लेग स्पिनर श्रेयस गोपाल के 8 विकेट के बावजूद चेतन सकारिया (72 गेंद में 29 रन) और युवराज सिंह डोडिया (नाबाद 13) के बीच आखिरी विकेट के लिए 34 की साझेदारी के दम पर सौराष्ट्र ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी मैच के तीसरे दिन शुक्रवार को पहली पारी में चार रन की बढ़त हासिल कर ली। सौराष्ट्र ने बीते दिन के स्कोर चार विकेट पर 200 रन से आगे खेलते हुए श्रेयस (110 रन पर आठ विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने 342 रन तक 9 विकेट गंवा दिए थे लेकिन सकारिया और डोडिया ने शानदार साझेदारी कर टीम को पहली पारी में चार रन की बढ़त दिला दी।

कर्नाटक के 372 रन के जवाब में सौराष्ट्र ने पहली पारी में 376 रन बनाए। कर्नाटक ने दिन का खेल खत्म होने तक दूसरी पारी में पांच विकेट पर 89 रन बना लिये जिससे उनकी कुल बढ़त 85 रन की हो गई। स्टंप्स के समय मयंक अग्रवाल (31) और देवदत्त पडिक्कल (18) क्रीज पर मौजूद थे। श्रेयस ने प्रेरक मांकड़ (27) को पगबाधा कर कर्नाटक को दिन की पहली सफलता दिलाई। अनुभवी अर्पित वसावड़ा (58) और गाज्जार सम्मार (45) ने छठे विकेट के लिए 57 रन की साझेदारी के साथ सौराष्ट्र को 300 रन के करीब पहुंचाया।

श्रेयस ने वसावडा को पगबाधा कर इस साझेदारी को तोड़ा। सौराष्ट्र ने इसके बाद जल्दी-जल्दी विकेट गंवाये जिसमें शिखर शेट्टी ने जयदेव उनादकट को आउट कर टीम का स्कोर नौ विकेट पर 342 कर दिया। सकारिया और डोडिया ने लगभग 16 ओवर तक बल्लेबाजी कर कर्नाटक के बढ़त लेने के मंसूबों पर पानी फेर दिया। सकारिया ने छक्का लगाकर टीम की बढ़त को पक्का किया। वह इसके बाद श्रेयस का आठवां शिकार बनें। महाराष्ट्र ने तिरुवनंतपुरम में अपनी पहली पारी में 20 रन की बढ़त लेने के बाद दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 51 रन बना लिये। संजू सैमसन (54) और सलमान निजार (49) ने केरल के लिए अच्छी पारियां खेली लेकिन इसे बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहे। केरल की टीम पहली पारी में 219 रन पर आउट हो गई।

गोवा ने पोरवोरिम में पहली पारी में चंडीगढ़ को 137 रन पर आउट करने के बाद फालोऑन करते हुए 153 रन पर तीन विकेट झटक लिए। गोवा ने पहली पारी में 566 रन बनाए थे। चंडीगढ़ को पारी की हार से बचने के लिए और 270 रन बनाने होंगे। रजत पाटीदार के नाबाद 205 रन से मध्यप्रदेश ने इंदौर में पंजाब के खिलाफ अपनी पहली पारी में 8 विकेट पर 519 रन बना कर अपनी बढ़त को 287 रन तक पहुंचा दिया। स्टंप्स के समय पाटीदार के साथ अरशद खान (नाबाद 60) क्रीज पर मौजूद थे।

तोशिबा करेगी 55 अरब येन का निवेश

भारत और जापान में उत्पादन क्षमता बढ़ाने की योजना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। तोशिबा एनर्जी सिस्टम्स एंड सॉल्यूशंस कॉरपोरेशन (तोशिबा) ने वित्त वर्ष 2026-27 तक 55 अरब येन (करीब 3, 232 करोड़ रुपए) निवेश करने की शुक्रवार को घोषणा की। इस निवेश का उद्देश्य जापान और भारत में पारेषण और वितरण उपकरणों के उत्पादन को बढ़ाने के लिए विनिर्माण संयंत्रों की उत्पादन क्षमता को दोगुना करना है। तोशिबा ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने वैश्विक बिजली मांग में तेजी को देखते हुए विद्युत पारेषण और वितरण (टी एंड डी) उपकरण व्यवसाय में अपने निवेश के महत्वपूर्ण विस्तार की घोषणा की है।

बयान के अनुसार, कंपनी वित्त वर्ष 2026-27 तक कुल 55 अरब येन का निवेश करेगी। इस निवेश से वित्त वर्ष 2029- 30 तक जापान और भारत में तोशिबा की प्रमुख विनिर्माण संयंत्रों की संयुक्त उत्पादन क्षमता वित्त वर्ष 2023-24 के स्तर से दोगुनी से भी अधिक होने की उम्मीद है।

इस बारे में तोशिबा के ग्रिड सॉल्यूशन डिवीजन के उपाध्यक्ष हिरोशी कानेटा ने एक बयान में कहा, ''जैसे-जैसे वैश्विक स्तर पर बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है, पारेषण और वितरण उपकरणों की स्थिर आपूर्ति पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण होती जा रही है। जापान में, पुराने बुनियादी ढांचे के नवीनीकरण, नवीकरणीय ऊर्जा के विस्तार और नए डेटा केंद्रों के निर्माण के कारण 2030 तक टी एंड डी उपकरणों की मांग तेजी से बढ़ने और अधिक रहने का अनुमान है।''

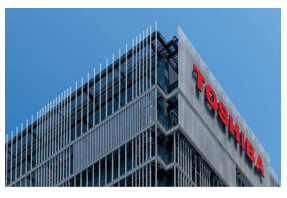

हॉलीवुड का पावर कपल अलग! टॉम क्रूज़ और एना डे अर्मास का 9 महीने में टूटा रिश्ता, शादी की अफवाहों को लगा झटका

हॉलीवुड सुपरस्टार टॉम क्रूज़ और अभिनेत्री एना डे अर्मास ने कथित तौर पर नौ महीने से भी कम समय साथ रहने के बाद अपने रिश्ते को खत्म कर दिया है। खबरों के अनुसार, फरवरी में पहली बार रोमांटिक रूप से जुड़े इस जोड़े ने यह महसूस करने के बाद कि 'उनका प्यार खत्म हो गया है' सौहार्दपूर्ण ढंग से अलग होने का फैसला किया।

इस जोड़े के एक करीबी सूत्र ने द सन को बताया, 'टॉम और एना ने साथ में अच्छा समय बिताया, लेकिन एक जोड़े के रूप में उनका समय अब बीत चुका है। वे अच्छे दोस्त बने रहेंगे, लेकिन अब वे डेटिंग नहीं कर रहे हैं। उन्हें बस एहसास हुआ कि वे ज़्यादा समय तक साथ नहीं रह पाएँगे और उनके लिए साथी के रूप में रहना बेहतर है।'

यह खबर प्रशंसकों के लिए एक आश्चर्य की बात है, खासकर जब से संभावित शादी की अफवाहें उड़ रही थीं। दोनों कथित तौर पर एक साथ एक फिल्म में अभिनय करने की तैयारी भी कर रहे थे। हालाँकि, ब्रेकअप के बावजूद, दोनों सितारे समझदारी से चीजों को संभाल रहे हैं। सूत्र ने आगे कहा, 'उन्हें उनकी अगली फिल्म में कास्ट कर लिया गया है, इसलिए वे साथ काम करना जारी रखेंगे।'

क्रूज़ और डी अरमास आगामी सुपरनैचुरल थ्रिलर 'डीपर' में साथ काम करने वाले थे, जो फिलहाल रुकी हुई है, और 'प्रेशर' नामक एक अन्य प्रोजेक्ट के लिए भी साथ आने की उम्मीद थी।

इस साल की शुरुआत में वर्मोंट में छुट्टियां मनाते हुए दोनों को हाथों में हाथ डाले देखा गया था, जिसके बाद दोनों ने अपने रोमांस का खुलासा सार्वजनिक रूप से किया था। बाद में उन्हें मैड्रिड और लंदन की रोमांटिक यात्राओं पर भी देखा गया, जहाँ अक्सर क्रूज़ अपनी खास हेलीकॉप्टर यात्राओं के साथ दिखाई देते थे। डेविड बेकहम के 50वें जन्मदिन की पार्टी और वेम्बली स्टेडियम में ओएसिस कॉन्सर्ट में साथ दिखाई देने पर उनके रिश्ते ने ध्यान आकर्षित किया।

'नाइव्स आउट', 'नो टाइम टू डाई' और 'बैलेरिना' में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर एना डी अरमास ने अलग होने से पहले दस महीने तक अभिनेता बेन एफ्लेक को डेट किया था। टॉम क्रूज़ के लिए, केटी होम्स से तलाक के बाद यह उनका पहला हाई-प्रोफाइल रिश्ता था। 'मिशनः इम्पॉसिबल' भाषा' से कहा, ''अपना खुद का जादू पैदा कीजिए। ...मुझे नहीं लगता कि वह जादू फिर से पैदा किया जा सकता है।''

'डीडीएलजे का वो जादू फिर कभी पैदा नहीं होगा' 30 साल पूरे होने से पहले काजोल का बेबाक बयान

अभिनेत्री काजोल का मानना है कि 30 साल पहले जबरदस्त लोकप्रियता हासिल करने वाली फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' (डीडीएलजे) का यदि रीमेक बनाया गया तो उसे आज के दौर और सोच के अनुसार ढालना होगा, इसलिए उसका पहले जैसा जादू फिर से पैदा करना संभव नहीं है। प्रेम कहानी 'डीडीएलजे' 20 अक्टूबर, 1995 को रिलीज हुई थी जिसमें काजोल ने सिमरन और शाहरुख खान ने उनके प्रेमी राज का किरदार निभाया था। यह फिल्म भारत की अब तक की सर्वाधिक सफल फिल्मों में से एक मानी जाती है और इसे आज भी मुंबई के मराठा मंदिर में बड़े पर्दे पर देखा जा सकता है।

इस फिल्म के 30 साल पूरे होने से पहले काजोल ने 'पीटीआई-

उन्होंने कहा कि यदि डीडीएलजे का रीमेक बनाना हो तो ''आपको उसे डीडीएलजे जैसा बनाना होगा, लेकिन वह कभी डीडीएलजे जैसी नहीं बन सकेगी। उसे अलग होना होगा और जब आप एक बार लोगों और माहौल को बदल देते हैं तो आपको कहानी को वर्तमान समय, समाज और सोच के अनुसार ढालना होगा।''

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

विभागः मुख्य अभियंता (यांत्रिक एवं विद्युत)

सं. ई.ई.मैकेनिकल/ईआई/4656/मेंटेनेंस दिनांक 16.10.2025

ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई नगर निगम के आयुक्त, पात्र बोलीदाताओं से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित करते हैं। बोली प्रारंभ तिथि एवं समय तथा बोली समाप्ति तिथि एवं समय महाराष्ट्र सरकार (महानिविदा)/बी.एम.सी. की वेबसाइट पर निविदा अनुभाग के अंतर्गत ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम पर विस्तृत निविदा सूचना में निर्दिष्ट है।

क्रमांक	बोली संख्या	कार्य का नाम
1	2025_MCGM_1230649_1	नगरपालिका कार्यशाला, भायखला में ई.ई. यांत्रिकी (संदर्भ) विभाग में विभिन्न आवश्यक कार्य।

इच्छुक निविदाकर्ता निविदा के बारे में अधिक जानकारी के लिए महाराष्ट्र सरकार (महाटेंडर्स) की ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली (http://mahatenders.gov.in) और बीएमसी वेबसाइट http://portal.mcgm.gov.in पर जा सकते हैं।

पीआरओ/1972/विज्ञा./2025-26 ई.ई.मैकेनिकल (ईआई) रखरखाव

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

समृद्धि महामार्ग पर हादसा

पोस्ट-क्रैश मदद में भारी खामियाँ, संदिग्धों की हरकत से डकैती की आशंका

प्रो. दयानंद तिवारी ने 30 दिनों में सुधारों की माँग उठाई

मुंबई/वाशिम। समृद्धि महामार्ग पर रविवार, 14 अक्टूबर 2025 की सुबह एक सड़क हादसे के बाद मदद-तंत्र की गंभीर कमजोरियाँ सामने आईं। प्रो. दयानंद तिवारी की मारुति ब्रेज़ा (MH 03 ER 6661) एक स्कॉर्पियो के अचानक ब्रेक लगाने से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। घटना स्थल नेटवर्क-ब्लैकस्पॉट में होने के कारण तत्काल मदद नहीं मिल सकी। हादसे के तुरंत बाद एक कार से उतरे 4-5 संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधि से डकैती की आशंका भी बनी रही, हालांकि किसी तरह की लूटपाट नहीं हो सकी और सभी यात्री सुरक्षित रहे।

कैसे हुआ हादसा

तिवारी के अनुसार, स्कॉर्पियो वाहन करीब 50 किमी तक आगे-पीछे गति बदलते हुए चल रहा था। जैसे ही हाईवे का सुनसान और बिना नेटवर्क वाला हिस्सा आया, स्कॉर्पियो ने अचानक इमरजेंसी ब्रेक लगाया, जिससे पीछे आ रही ब्रेज़ा उससे टकरा गई। तिवारी का आरोप है कि स्कॉर्पियो चालक मौके से भाग गया। कुछ ही पलों में बाईं ओर से एक अन्य कार रुकी और चार-पाँच युवक पास आकर खड़े हो गए। परिवार की सुरक्षा को देखते हुए उन्हें लूट की साज़िश का संदेह हुआ। 'हम सब सुरक्षित थे, शायद इसी वजह से वे बिना कुछ किए थोड़ी देर में लौट गए,' तिवारी ने बताया।

नेटवर्क नहीं, मदद नहीं

हादसे के बाद चार अलग-अलग मोबाइल होने के बावजूद किसी में सिग्नल नहीं मिला। 'कॉल नहीं लग रही थी, हम पूरी तरह बेबस थे,' तिवारी ने कहा। ड्राइवर ने बताया कि कूलेंट पूरा गिर चुका था, फिर भी जोखिम लेकर गाड़ी को थोड़ा आगे बढ़ाया गया। लगभग एक किलोमीटर आगे कमज़ोर नेटवर्क मिला तो वाशिम स्थित मारुति शोरूम से संपर्क हो सका। शोरूम कर्मियों ने भी ऐसे मामलों के बढ़ने की सूचना दी।

एजेंसियाँ पहुँचीं, पर 'मदद' नाकाफी

तिवारी के अनुसार, हाईवे पुलिस, कलेक्टर कार्यालय और कॉन्ट्रैक्टेड एक्सीडेंट-मॉनिटरिंग एजेंसी के लोग मौके पर पहुँचे, लेकिन 'फोटो ज्यादा, प्रत्यक्ष सहायता कम' रही। मौके पर पहुंची मेडिकल टीम में डॉक्टर मौजूद नहीं था–'केवल कंपाउंडर जैसे कर्मी' आए। इस बीच टो-ट्रक की कई निजी कॉल्स आने लगीं–किसी ने 5,000, तो किसी ने 15,000 तक माँगे। तिवारी ने इसे 'असंगठित और अपारदर्शी सिस्टम' बताया।

डकैती की आशंका पर क्या कहा

हादसे के तुरंत बाद पहुँचे युवकों के व्यवहार और घटना-स्थल के ब्लैकस्पॉट में होने के कारण तिवारी ने संगठित अपराध की आशंका जताई। 'ऐसा लगा कि नेटवर्क-रहित ज़ोन देखकर ही यह सब किया गया। पाँच लोगों का अचानक आना, घूरना और फिर लौट जाना–ये सब संदेह बढ़ाते हैं,' उन्होंने कहा। पुलिस को सूचना देने और रिपोर्ट दर्ज कराने की प्रक्रिया पर भी स्पष्ट मार्गदर्शन न मिलने की शिकायत की गई।

30 दिनों में सुधारों की माँग

प्रो. तिवारी ने सरकार और संबंधित एजेंसियों से 30 दिनों में ठोस रोडमैप लाने की अपील की है।

प्रमुख माँगें इस प्रकार हैं:

हर 50-60 किमी पर डॉक्टर-समेत ALS एम्बुलेंस, 15-20 मिनट की रिस्पॉन्स समय-सीमा (SLA)।

वन-नंबर इंटीग्रेटेड हेल्पलाइन; कॉल के बाद ETA-SMS अनिवार्य।

ऑन-स्पॉट मेडिकल ट्रायाज पहले, फोटो बाद में–स्पष्ट SOP।

मानकीकृत टो-रेट्स, QR-वेरिफिकेशन और अनिवार्य रसीद।

डिजिटल घटना-रिपोर्ट पीड़ित को तुरंत उपलब्ध।

कॉन्ट्रैक्टर्स का SLA ऑडिट, कमी पर दंड/ब्लैकलिस्टिंग।

हाई-रिस्क ड्राइविंग (बार-बार स्पीड बदलाव/हार्ड ब्रेक/लेन-वीव) पर ई-चलान।

टोल/एक्ज़िट पर वन-स्टॉप पीड़ित काउंटर–मेडिकल, इंश्योरेंस, कानूनी सहायता।

डैशकैम फुटेज की आधिकारिक स्वीकार्यता और सुरक्षित अपलोड पोर्टल।

पब्लिक डैशबोर्ड–रिस्पॉन्स-टाइम, ब्लैक-स्पॉट और हादसा आँकड़े।

'गोल्डन ऑवर' पर जोर

'समृद्धि महामार्ग का ढांचा अच्छा है, पर 'गोल्डन ऑवर' में सुस्ती जानलेवा हो सकती है। डॉक्टर-युक्त एम्बुलेंस, एकीकृत हेल्पलाइन और ट्रायाज-फर्स्ट SOP के बिना नागरिक असुरक्षित हैं,' – प्रो. दयानंद तिवारी।

मीडिया संपर्कः
प्रो. दयानंद तिवारी ।
मो.: 9987123330 ।
ईमेलः dayanandtiwari80@gmail.com

इण्टीग्रेटिव मेडिसिन समय की माँग - डॉ अशोक वार्ष्णेय

आयुर्वेद एवं पाश्चात्य विधा का समन्वय चिकित्सा की सफलता का मूल मंत्र- डॉ जी एस तोमर

गोरखपुर। गुरु गोरक्षनाथ इन्स्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आरोग्य संगम 2025 के वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता आरोग्य भारती के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के संस्थापक अध्यक्ष प्रो.(डॉ.) जी एस तोमर ने की । इस सत्र में आत्रेय इनोवेशन के संस्थापक डॉ अनिरुद्ध जोशी ने 'टेक्नोलॉजी इंटीग्रेशन इन डायग्नोसिस पल्स मोनीटर (नाड़ी तरंगिणी) के विशिष्ट परिप्रेक्ष्य में' विषय पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया । डॉ जोशी ने नाड़ी परीक्षा को व्यावहारिक, सरल एवं वैज्ञानिक स्वरूप में विकसित करने का सफल प्रयास किया है । इससे पारम्परिक ज्ञान को नवाचार के माध्यम से चिकित्सोपयोगी बनाया जा सकता है । दूसरा प्रस्तुतीकरण सेन्टर फॉर रुमेटिक डिसीजेज के डाइरेक्टर एण्ड चीफ रुमेटोलॉजिस्ट डॉ अरविन्द चोपरा ने 'इन्टीग्रेटिव मेडिसिन क्लिनिकल बेस्ड एप्रोच' विषय पर दिया । डॉ चोपरा ने जोड़ों के दर्द की विभिन्न विकृतियों को अत्यंत सरल एवं वैज्ञानिक दृष्टि से प्रस्तुत किया । उनका प्रस्तुतिकरण चिकित्सकों को रुमेटिक डिसीजेज के सही निदान एवं चिकित्सा में अत्यंत लाभकारी साबित होगा। आयुर्वेद एवं पाश्चात्य चिकित्सा विधा किस प्रकार सम्मिलित रूप से इन रोगियों को स्वास्थ्य लाभ पहुँचा सकती है इस पर अपने विचार साझा किए ।डॉ राजेन्द्र जैन ने स्वर विज्ञान के आधार पर इडा, पिंगला एवं सुषुम्ना नाड़ी के माध्यम से स्वास्थ्य संरक्षण, संवर्धन एवं रोग उपचार पर अपने अनुभव साझा किए । सत्राध्यक्ष के रूप में अपने उद्बोधन में डॉ तोमर ने तीनों ही विद्वान वक्ताओं को उनके उत्कृष्ट प्रस्तुतीकरण के लिए बधाई दी एवं बताया कि नाड़ी परीक्षा

आयुर्वेदीय निदान पद्धति की अष्ट स्थान परीक्षा का एक महत्वपूर्ण भाग है । उन्होंने कहा कि योगरत्नाकर नामक आयुर्वेदीय ग्रंथ में नाड़ी, मूत्र, मल, जिह्वा, शब्द, स्पर्श, दृक् एवं आकृति अष्टविध रोगी परीक्षा का वर्णन है जो सम्पूर्ण निदान को अपने आप में समाहित करता है । इस ज्ञान को आज की विकसित तकनीक के प्रयास से नवाचार करना समय की आवश्यकता है । वहीं रुमेटिक डिसीजेज के सम्बन्ध में अपने विचार रखते हुए उन्होंने बताया कि हज़ारों वर्ष पूर्व महर्षि चरक ने वातव्याधि एवं वातरक्त के संदर्भ में इस महत्वपूर्ण रोग विशेष की जानकारी प्रस्तुत की है । यही नहीं विकास के क्रम में माधवकार ने माधव निदान में आमवात का वर्णन कर इस रोग को और अधिक विस्तार दिया है ।चिकित्सा विज्ञान के विकसित परीक्षणों के आधार पर इसका प्रस्तुतिकरण चिकित्सकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा । उन्होंने इन्टीग्रेटिव मेडिसिन के सम्बन्ध में अपने विचार साझा करते हुए कहा कि हर विधा की अच्छाइयों को समाविष्ट कर रोगी को आदर्श चिकित्सा उपलब्ध कराना ही इसका मूलभूत उद्देश्य होना चाहिए । ट्रीटमेंट गैप को भरने के लिए अन्य प्रभावी विधाओं का चिकित्सा में समावेश ही सफल इण्टीग्रेशन हो सकता है । डॉ तोमर ने अपने उद्बोधन में जीवनशैली जन्य विकारों के उपचार में आयुर्वेद को अत्यंत प्रभावी बताया । उन्होंने कहा कि आयुर्वेद न केवल स्वास्थ्य संरक्षण के लिए उत्कृष्ट विधा है अपितु जीर्ण एवं कष्ट साध्य रोगों के लिए भी संजीवनी है ।

द्वितीय वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ अशोक कुमार वार्ष्णेय ने की । इस सत्र डॉ पवन गोदातवर, पद्मश्री डॉ मनोरंजन साहू एवं डॉ जी एस तोमर ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए । सत्राध्यक्ष के रूप में अपने उद्बोधन में उन्होंने तीनों विद्वान प्रस्तोताओं को उनके उत्कृष्ट प्रस्तुतिकरण के लिए बधाई दी एवं इण्टीग्रेशन को समय की माँग बताया । इस अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में सात देशों के एवं ग्यारह प्रदेशों के लोगों ने प्रतिभाग किया ।

औद्योगिक नमक लेकर पहली मालगाड़ी गुजरात से कश्मीर पहुँची

जम्मू 17 अक्टूबर 2025, उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल में माल ढुलाई के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय प्रगति हुई है। आज़ दिनांक 17 अक्टूबर 2025 को , गुजरात के खाराघोड़ा गुड्स शेड से 1,350 टन औद्योगिक नमक की पहली 21(बीसीएन) वैगन रेल खेप के साथ अनंतनाग गुड्स शेड पर सफलतापूर्वक पहुँची। यह विश्वसनीय और किफ़ायती रेल परिवहन के माध्यम से कश्मीर घाटी को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने में एक नया मील का पत्थर साबित हुआ हैं। इस औद्योगिक नमक का उपयोग टैनिंग, पल्प साबुन और कभी-कभी ईंट भट्ठों के उद्योग में किया जाता है।

गुड्स ट्रेनों द्वारा औद्योगिक नमक परिवहन की शुरुआत से घाटी में आवश्यक वस्तुओं की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित होगी, यात्रा का समय कम होगा और रसद लागत कम होगी। इससे क्षेत्र की सड़क परिवहन पर निर्भरता भी कम होगी, खासकर प्रतिकूल मौसम की स्थिति में, जब सड़क संपर्क अक्सर प्रभावित होता है।

हाल के महीनों में, कश्मीर घाटी में माल ढुलाई के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। कश्मीर से सेब की पहली खेप रेल द्वारा दिल्ली और वहाँ से भारत भर के विभिन्न स्थानों तक पहुँचाई गई, जिससे स्थानीय उत्पादकों को राष्ट्रीय बाजारों तक पहुँचने का एक तेज़ और अधिक किफायती तरीका मिल गया।

इसी प्रकार, मारुति के वाहन और अन्य सामान ट्रेन द्वारा घाटी में पहुँचाए गए हैं, जो इस क्षेत्र में व्यापार और उद्योग को सुगम बनाने में रेलवे की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है।

एक और उपलब्धि के साथ जम्मू मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री उचित सिंघल ने कहा ' कि इस नमक की खेप के आगमन से भविष्य में इस तरह की और अधिक माल ढुलाई का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद है, जिससे गुजरात और जम्मू-कश्मीर के बीच व्यापारिक संपर्क और बेहतर होगा।' ऐसी प्रत्येक पहल के साथ, भारतीय रेलवे केंद्र शासित प्रदेश के रसद नेटवर्क को मजबूत करता रहता है, जिससे लोगों और व्यवसायों दोनों के लाभ के लिए आवश्यक और वाणिज्यिक वस्तुओं की कुशल आवाजाही सुनिश्चित होती है।

आईआरसीटीसी भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से 'श्री रामेश्वरम-तिरुपति दक्षिण दर्शन यात्रा' का आयोजन कर रहा है

रेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम, भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) ने एक विशेष धार्मिक पर्यटन पैकेज 'श्री रामेश्वरम-तिरुपति दक्षिण दर्शन यात्रा' की घोषणा की है। यह 10 दिवसीय विशेष यात्रा भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन द्वारा संचालित की जाएगी और दक्षिण भारत के प्रमुख तीर्थ स्थलों को कवर करेगी।

यह यात्रा 7 नवंबर, 2025 को नासिक से शुरू होकर 16 नवंबर, 2025 को समाप्त होगी।

तीर्थयात्रा के प्रमुख स्थलः

तिरुपति - भगवान वेंकटेश्वरस्वामी मंदिर और देवी पद्मावती मंदिर

रामेश्वरम - रामनाथस्वामी मंदिर और धनुषकोडी

मदुरै - मीनाक्षी मंदिर

कन्याकुमारी - विवेकानंद शिला स्मारक, गांधी मंडपम और कन्याकुमारी मंदिर

तिरुवनंतपुरम - पद्मनाभस्वामी मंदिर

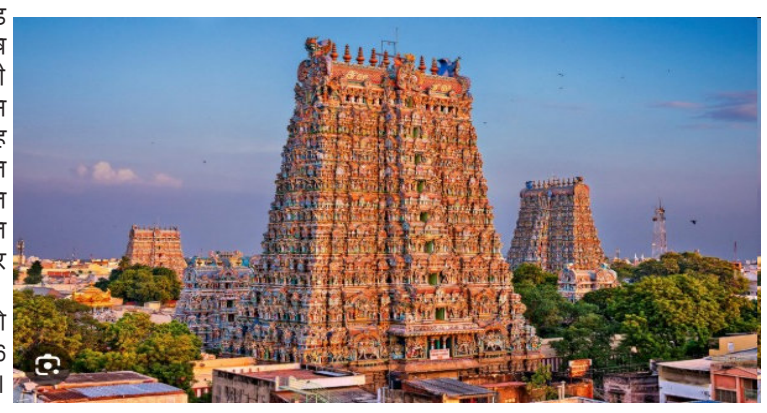

और कोवलम बीच

नोटः यात्रियों को तिरुपति बालाजी मंदिर दर्शन के लिए अलग से ऑनलाइन दर्शन टिकट बुक करने होंगे।

बोर्डिंग/डिबोर्डिंग स्टेशनः नासिक, देवलाली, इगतपुरी, कल्याण, कर्जत, लोनावाला, पुणे, दौंड, कुर्दुवाड़ी, सोलापुर, कलबुर्गी

यात्रा पैकेज शुल्क (प्रति यात्री):

श्रेणीः वयस्क, बच्चे (5-11 वर्ष)

इकोनॉमी (स्लीपर क्लास) 18,040 16,890

स्टैंडर्ड (3AC) 30,370 29,010

वेबसाइटः www.irctctourism.com,
कॉल/व्हाट्सएपः +8287931886

कम्फर्ट (2AC) 40,240 38,610

पैकेज में शामिल हैंः चयनित श्रेणी (SL / 3AC / 2AC) के अनुसार रेल यात्रा, एसी/नॉन-एसी बजट होटलों में आवास, यात्रा के दौरान और गंतव्य पर शाकाहारी भोजन, एसी/नॉन-एसी बस द्वारा स्थानीय दर्शनीय स्थलों की यात्रा, चुनिंदा स्थानों पर नहाने और बदलने की सुविधा

यह सर्व-समावेशी पैकेज श्रद्धालुओं और पर्यटकों को एक आसान, एक ही यात्रा में आरामदायक और आध्यात्मिक रूप से संतुष्टिदायक अनुभव।

बुकिंग और अधिक जानकारी के लिए, संपर्क करेंः वेबसाइटः www.irctctourism.com, कॉल/व्हाट्सएपः +8287931886

बलूचिस्तान की आवाज़ दबाने की साजिश महरंग बलूच की कैद पर यूएन से दखल की मांग

पेशावर **(एजेंसी)**। पाकिस्तान में शांतिपूर्ण बलूच आवाज़ों का दमन तेज़ हो गया है। बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) की वरिष्ठ नेता सबीहा बलूच ने महरंग बलूच और अन्य कार्यकर्ताओं की लगातार कैद की निंदा करते हुए इसे राजनीतिक प्रतिशोध की एक ज़बरदस्त कार्रवाई बताया है। सबीहा ने कहा कि हिरासत में लिए गए नेताओं को छह महीने से ज़्यादा समय से गैरकानूनी तरीके से रखा गया है, उनके मूल अधिकार छीन लिए गए हैं और निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया से वंचित रखा गया है, जैसा कि द बलूचिस्तान पोस्ट ने रिपोर्ट किया है।

द बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, सबीहा ने कहा कि महरंग बलूच और उनके सहयोगियों द्वारा किया गया एकमात्र 'अपराध' बलूचिस्तान में जबरन गुमशुदगी और व्यवस्थित हिंसा के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करना था। उन्होंने आगे कहा कि उनकी गिरफ़्तारी पाकिस्तानी सरकार द्वारा असहमति को दबाने और न्याय की माँगों को दबाने की एक जानबूझकर की गई कोशिश का हिस्सा थी। डॉ. सबिहा ने पाकिस्तान द्वारा अपनी अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं की अवहेलना की निंदा की और कहा कि मनमाने ढंग से की गई हिरासतें मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा और नागरिक एवं राजनीतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय वाचा में निहित न्याय के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन हैं। उन्होंने तर्क दिया कि इस तरह की कार्रवाइयाँ सरकार के जवाबदेही के डर और प्रांत में वैध राजनीतिक आंदोलनों को कुचलने के उसके चल रहे अभियान को उजागर करती हैं।

डॉ. सबिहा ने जेल की चारदीवारी के भीतर अदालती सुनवाई के संचालन पर भी गंभीर चिंता जताई और कहा कि यह प्रथा पारदर्शिता और न्यायिक स्वतंत्रता को कमजोर करती है। उन्होंने अधिकारियों पर दबाव और धमकी के माध्यम से कानूनी व्यवस्था में हेरफेर करने और अदालतों को न्याय के साधन के बजाय राजनीतिक नियंत्रण का साधन बनाने का आरोप लगाया। अपने हिरासत में लिए गए सहयोगियों के लचीलेपन पर प्रकाश डालते हुए, सबिहा ने डॉ. महरंग बलूच और अन्य बीवाईसी सदस्यों को 'सच्चाई और साहस की आवाज़' बताया जो बलूचिस्तान की अंतरात्मा का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी लंबी कैद न केवल कानूनी अन्याय का प्रतीक है, बल्कि राज्य के नैतिक पतन का भी प्रतीक है, जैसा कि द बलूचिस्तान पोस्ट ने उजागर किया है।

अपने वक्तव्य के समापन पर सबीहा ने अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों से आग्रह किया कि वे पाकिस्तान द्वारा शांतिपूर्ण राजनीतिक कार्यकर्ताओं के व्यवस्थित उत्पीड़न पर ध्यान दें तथा सभी हिरासत में लिए गए बीवाईसी सदस्यों की तत्काल रिहाई की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि चुप्पी से बलूचिस्तान में और अधिक उत्पीड़न को बढ़ावा मिलेगा, जैसा कि बलूचिस्तान पोस्ट ने रिपोर्ट किया है।

'यह स्थायी नहीं है, लेकिन संख्या यही है', ट्रंप ने चीन पर लगाए 100 फीसदी टैरिफ को लेकर दिया बड़ा बयान

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि उनके द्वारा प्रस्तावित चीन से आयातित वस्तुओं पर 100इ टैरिफ लंबी अवधि में टिकाऊ नहीं होगा, लेकिन उन्होंने चीन को वर्तमान व्यापार गतिरोध का जिम्मेदार ठहराया। यह गतिरोध चीन द्वारा अपने रेयर अर्थ तत्वों के निर्यात पर नियंत्रण बढ़ाने के बाद उत्पन्न हुआ। ट्रम्प ने मीडिया चैनल को दिए एक इंटरव्यू में कहा, 'यह स्थायी नहीं है, लेकिन संख्या यही है। उन्होंने मुझे ऐसा करने के लिए मजबूर किया।'

उन्होंने पिछले हफ्ते चीन से अमेरिका जाने वाले कुछ उत्पादों पर 100इ अतिरिक्त टैरिफ और 'सभी महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर' पर नए निर्यात नियंत्रण की घोषणा की थी। यह कदम चीन के रीयरे अर्थ तत्वों के निर्यात पर कड़े नियंत्रण के जवाब में लिया गया। ये तत्व तकनीकी निर्माण में महत्वपूर्ण माने जाते हैं और चीन इस बाजार में प्रमुख है।

ट्रम्प ने यह भी पुष्टि की कि वह दूसरे हफ्ते दक्षिण कोरिया में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे, जिस मुलाकात को उन्होंने पिछले हफ्ते लेकर संशय जताया था। उन्होंने चीनी नेता की सराहना भी की।

ट्रंप ने दी चेतावनी : अगर गाजा में खून खराबा जारी रहा तो मजबूरन वहां जाकर हमास का खात्मा करना पड़ेगा

न्यूयॉर्क **(एजेंसी)**। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को हमास को चेतावनी दी कि अगर गाजा में खून खराबा जारी रहा तो "हमें मजबूरन वहां जाकर उसका खात्मा करना पड़ेगा।" यह चेतावनी उस समय दी गई जब पिछले हफ्ते इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम और बंधक समझौते के बाद से क्षेत्र में जारी हिंसा को ट्रंप ने पहले मामूली बताया था। बहरहाल, हमास को चेतावनी देने के बाद उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका अपने सैनिक गाजा नहीं भेजेगा।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, "यह हम नहीं करेंगे। हमारे नजदीक ऐसे लोग हैं जो यह काम बहुत आसानी से कर लेंगे, लेकिन हमारी देखरेख में।" ट्रंप ने मंगलवार को कहा था कि हमास ने "कुछ बहुत बुरे गिरोहों" को खत्म कर दिया है और गिरोह के कई सदस्यों की हत्या की है। उन्होंने यह भी कहा, "सच कहूं तो इससे मुझे ज़्यादा फर्क नहीं पड़ा।" हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वह अपनी धमकी को कैसे लागू करेंगे और अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने भी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। फिर भी ट्रंप ने यह साफ किया कि गाजा में हमास द्वारा प्रतिद्वंद्वी गुटों की हत्या किए जाने को लेकर उनका धैर्य सीमित है। उन्होंने कहा, "उन्हें अपने हथियार डालने होंगे, वरना हम उन्हें निशस्त्र करेंगे और यह जल्दी एवं संभवतः हिंसक तरीके से होगा।" गाजा में 18 साल पहले सत्ता में आने के बाद हमास की पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कायम की थी, लेकिन हाल के महीनों में इजराइली हमलों और कब्जे के कारण उनकी पकड़ कमजोर पड़ गयी है। स्थानीय सशस्त्र गिरोहों और इजराइल समर्थित गुटों पर मानवीय सहायता लूटने और बेचने के आरोप हैं।

5.6 तीव्रता के भूकंप से अफगानिस्तान में दहशत जम्मू-कश्मीर भी हिला; पिछली तबाही की यादें ताजा

काबुल **(एजेंसी)**। शुक्रवार को अफ़ग़ानिस्तान में 5.6 तीव्रता का भूकंप आया और जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में भी झटके महसूस किए गए। शुक्रवार शाम लगभग 5.45 बजे अफ़ग़ानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा के पास 10 किलोमीटर की गहराई पर भूकंप का केंद्र था। हालांकि, किसी भी संपत्ति के नुकसान, घायल होने या हताहत होने की तत्काल कोई खबर नहीं है क्योंकि लोग पिछले महीने आए विनाशकारी भूकंप की बुरी यादें अभी भी लोगों के ज़ेहन में ताज़ा होने के कारण डर के साये में जी रहे हैं।

4 सितम्बर को दक्षिण-पूर्वी अफगानिस्तान में 6.2 तीव्रता का भूकंप आया, जो चार दिनों के अंतराल में उसी क्षेत्र में आया तीसरा भूकंप था, जब देश में वर्षों में आए सबसे घातक भूकंपों में से एक में 2, 200 से अधिक लोग मारे गए थे। पिछले महीने आए विनाशकारी भूकंप में, पूरे के पूरे गाँव जमींदोज हो गए, और लोग मिट्टी की ईंटों और लकड़ी से बने घरों के मलबे में फँस गए, जो झटके झेलने में असमर्थ थे। अफ़ग़ानिस्तान भूकंप और झटकों के लिए अतिसंवेदनशील है क्योंकि यह दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंपीय क्षेत्रों में से एक में स्थित है, जहाँ भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटें आपस में टकराती हैं।

यह अत्यधिक भूगर्भीय दबाव भूपर्पटी को तोड़कर उसमें दरार डाल देता है, जबकि हिंदू कुश पर्वतों में, यह स्थलमंडल के कुछ हिस्सों को मेंटल में गहराई तक धकेल देता है। परिणामस्वरूप, उत्तरी अफ़ग़ानिस्तान के पामीर-हिंदुकुश क्षेत्र में अक्सर तीव्र भूकंप आते हैं, जिनमें से कुछ 200 किलोमीटर की गहराई तक पहुँचते हैं - जो विश्व स्तर पर एक दुर्लभ घटना है। इसके विपरीत, पश्चिमी पाकिस्तान और दक्षिण-पूर्वी अफ़ग़ानिस्तान में फैली सुलेमान पर्वत श्रृंखला में, भूकंप आमतौर पर उथले और सतह के करीब होते हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)